

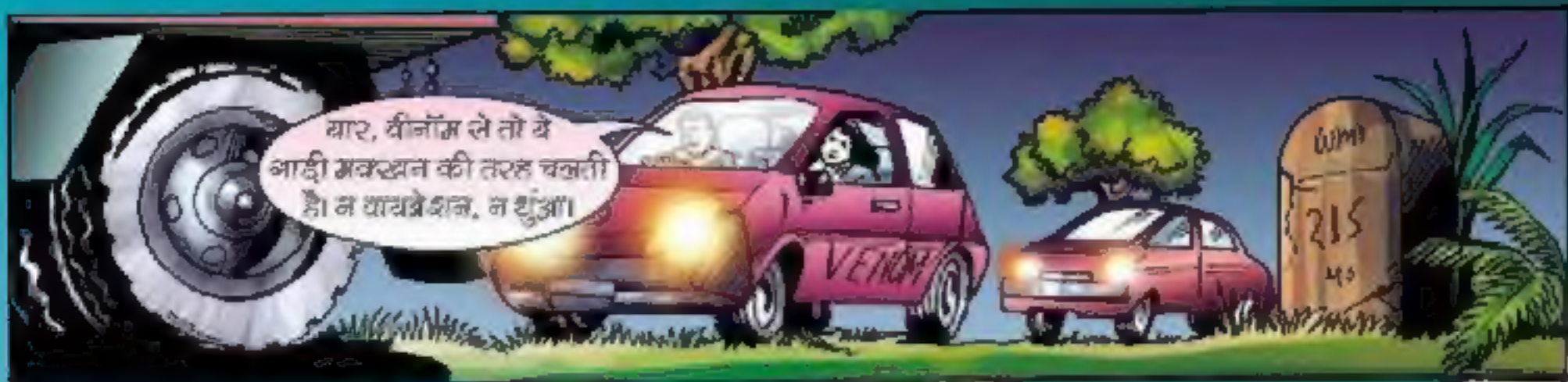


वीजाँल्स

नागराज



By: *Prakash*
For: *Raj Comics*
COUNTO



इंसान हमेशा अपनी एक आदत के कारण अपना अस्तित्व खतरे में डालता आया है। अपने क्षणिक फायदे की खातिर अपनी जान और पर्यावरण को हाथ पर लाने की आदत और वीनॉम जैसे फ्यूल को बिना जांचे परखो अपना खेना भी इसी लाजबक कर परिणाम था।

परंतु ये लाजबक इस बार जानकों के अस्तित्व पर भारी पड़ने वाला था।

इसमें कोई शक नहीं

है कि वीनॉम एक क्रांतिकारी ईंधन है। वरनों से हम ऐसे ही ईंधन की तलाश में थे जो इंसान को सस्ती और शुद्ध ऊर्जा देने के साथ-साथ सितारों तक सफर करने की क्षमता दे सके। वीनॉम से ही इंसान का यह सपना पूरा हो सकता है।

लेकिन मिस्टर प्रेसीडेंट,

वीनॉम को अभी एक प्राइवेट कंपनी बना रही है। वीनॉम क्या है, हम वे भी नहीं जानते और इसकी सफाई भी कई देशों में नहीं आ पा रही है। ऐसे ईंधन के आधार पर पेट्रोलियम को दरकिनार करना ठीक नहीं है।

हम पेट्रोलियम को साथ लेकर चल रहे हैं और यह मत भूलिए कि पेट्रोलियम पर भी कुछ ही देशों का पुकड़धिकार है। पेट्रोल पचास सालों में खत्म हो जाएगा। इसीलिए हमको अविव्य अभी से सुनिश्चित करना होगा और वीनॉम अविव्य का ईंधन है...

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

वीनॉम

राज कॉमिक्स है मेरा जून।

अब तक की कहानी जानने के लिए पढ़ें—
नानासा के बाद, फ्यूल

कथा एवं चित्रांकन
अनुपम सिन्हा

इंकिंग
हकिमन

डिजिटल कॅलीग्राफी
हरीश शर्मा

इफेक्ट्स
प्रवीन सिंह

सह सम्पादक
मंदार जंजेल

सम्पादक
मनीष गुप्ता

ये जीत वीनॉम की पेद्रोलियम के ऊपर नहीं थी। बल्कि इंसान के विवेक के ऊपर इंसान के हावभाव की थी।

ये... ये
नागराज तुम्हारे
पास कैसे आया?
ये तो तुम्हारे डूबने
के नीचे दबकर
मर गया
था।

ऐन वक़्त पर
नागराज की इच्छाधारी
शक्ति ने उसे इच्छाधारी कणों
में बिखेर दिया था। मुझे
इसकी आशंका थी।

इसीलिए मैं तैयार था।
और ऐसा होते ही मैंने उसके
शरीर के कणों को अपने
पास खींच लिया।

पर इसका कोई फायदा
नहीं हुआ। नागराज तो मिल गया परंतु
इसके शरीर के ऊपर को डूबने से बचत कर
दिया है। अब मैं इसको इसी उम्मीद में खिंचा रखे हुए
हूँ कि शायद इसके शरीर में विष बनने की प्रक्रिया
फिर से शुरू हो सकें। फ़िरहाल तो इसके शरीर
में न जहर है न पुक भी सांप। अब आओ, हम
को अभी उस दूसरे इच्छाधारी नाग से
काफी जानकारी निकालायी है।

फिर तो मामला
और उलझ गया है। अब
यह अजनबी नागराज
नहीं है...

तो फिर वह
कोन है?

उसकी चिंता
मत करो।

अब नागराज मेरे सामने
नहीं दिख पाया तो वह अजनबी अला
क्या स्टाक टिकेगा?



"...कि वह अजनबी आखिर है कौन?"

थानी...तुमको संकेत मिला कि तुमको मुझे बचाना है। और तुम मुझे बचाने आ पहुंचे।

न तो तुमको ये पता है कि वह संकेत तुमको कहां से मिला और न ही तुमको ये पता है कि तुमने उन सैनिकों को इतनी आसानी से कैसे पीट लिया।

बिल्कुल ठीक।

अब अगर हम एक दूसरे के बारे में और ज्यादा नहीं जान सकते तो कम से कम अपने दुश्मन के बारे में तो जान सकते हैं ना कौन थे वे?

किंग वल्लेन के मैमर। और मुझे पुरा वकील है कि नागराज की मौत के पीछे इनका ही हाथ है। अब क्या मैं जान सकती हूं कि हम कहां जा रहे हैं?

मुझे शिफ्ट दिशा पता है। स्थान का नाम मैं नहीं बता सकती। पर वह स्थान जो भी है...

"वहां पर हमारी दुश्मनों से अगली मुलाकात होने वाली है।"

मेरी शिपिंग कंपनी के कई तैम टैंकर भुट रहे हैं। पर कोई पुकृष्ट नहीं। कई देश की सरकारें अब एक-एक पेट्रोलियम के साथ सौतेला व्यवहार कर रही हैं। वे वीनोम को बौरे सोचे समझे बढ़ावा दे रही हैं।

MR. C. MAMMOTH

CEO : ARIMCO PETROLEUM
PRESIDENT : WORLD PETROLEUM EC

पर वे जानती नहीं हैं कि वीनोम एक स्वतंत्रता और घातक ईंधन है। हमारे पास अभी-अभी खबर आई है कि आपके इसी शहर, मजानगर के पास हाइवे पर एक वीनोम कार फट गई है और तीन लोग मारे गए हैं।

मेरे पास इस बात की पक्की जानकारी है कि वीनोम को बनाना अब मुश्किल होता जा रहा है उसकी सप्लाइ बिर रही है। पर मैं पेट्रोलियम की सप्लाइ को बढ़ाऊंगा। आज से मेरे हर टैंकर के साथ प्राइवेट ऑर्गैस से मरी एक बोट चला करेगी।

मैं दुनिया के सामने सफाई को लाऊंगा। पेट्रोलियम को फिर से उसका सही स्थान दिलाऊंगा।

इसके मरने का भी समय आ गया है। अब इसकी मौत ही...

"...मेरी जीत को सुनिश्चित कर सकती है।"

यहां पर तो मुझे ऐसी कोई शक्ति नजर नहीं आ रही है जो हमारी दुश्मन हो।

पर मुझे आभास हो रहा है।

खैर, समुद्र तट तक मुझे जाने के लिए शक्तियां अब मुझे कहीं और जाना है।



मुझे लक्ष्यीय जाकर सबको सावधान करना होगा और नाभार्जुन को बचाने के लिए समुद्र के साथ वापस आना होगा। वैसे नाभार्जुन को बचाने में वह अपनी मेरी मदद कर सकता है। पर अभी तक मैं यह तय नहीं कर पाई हूं कि मैं इस पर विश्वास करूं या नहीं।

हे कवर बेटा! ये... ये कौन है।



पहले उड़ता देखना और अब उड़ता आदमी? इंसान ही अ वैसी सुपरमैन!



आप कौन हैं? और कहां से आप हैं?


ये... ये उड़ने की शक्ति आपके अंदर मौजूद है या फिर आप किसी जैजेट का यूज करते हैं?

आपका यहां पर आने का क्या मतलब है? क्या आप यहीं से आपु हैं जहां से वह उड़ता देखना आया था?

आप लोभ थे जगह जितनी जल्दी हो सके, खाली कर दें क्योंकि इस जगह पर...



...भारी मुसीबत आने वाली है।



ओह! तो वे वह
खतरा था जिसका तुमको
आभास हो रहा था।

शायद।

प... पर ये वहां पर
क्यों आया है? मेरे लिए तो
नहीं। क्योंकि मैं तो अभी-
अभी वहां पर आई हूँ।

शायद इसको मुझे
मारने के लिए भेजा गया
है। मेरे सुझाव मुझे मारने
में कोई कसर छोड़ना
नहीं चाहते।

शायद इसी का
आभास पाकर ये अजनबी
मुझे बचाने आया है।



सही समझे। मैं चाहता तो तुझे खोपड़ी में पकड़ भोली धंसाकर भी मार सकता था। पर अब एक तीर से तीन शिकार होंगे।

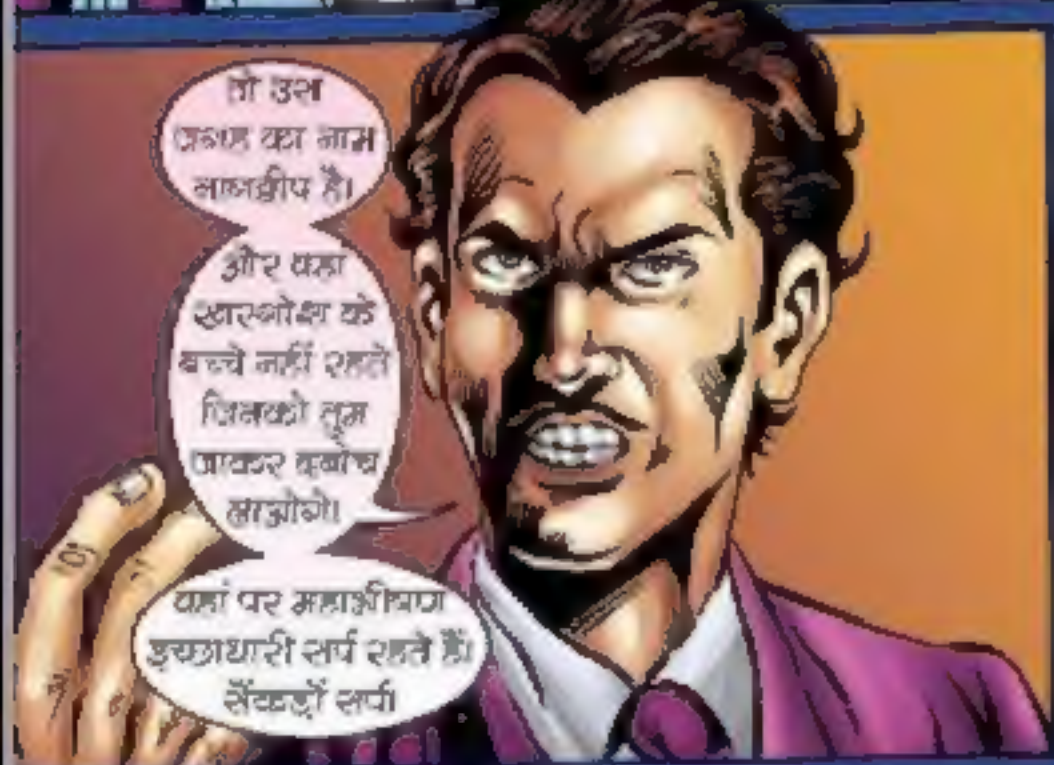
मुझे पूरा कदीन था कि दरदाल के आने पर ये अजनबी भी जरूर आपुचा और इसके साथ ये नाशिन भी आपुगी।



पता चल गया कि ये सांप कहां से आया है।

सचो अब तो मैं इस दुनिया का तो क्या ब्रह्मांड का किंग बन जाऊंगा।

अगर ऐसी कोई जगह है...



तो उस जगह का नाम नाकशीप है।

और वहां शरभोक्ष के बच्चे नहीं रहते जिनको तुम पाकर कबाब खाओगे।

वहां पर महाश्विप्रा डक़ाधारी सर्प रहते हैं। सैंकड़ों सर्प।



तुम चाहे जो भी हो, पर अगर तुम यहां तक पहुंच भी अपु तो जीवित वापस नहीं आओगे।

आओ, जाने से पहले मैं तुमको कुछ दिखाना चाहता हूँ। अगर नाकशीप में सैंकड़ों शतरनाक डक़ाधारी नाग हैं।...



तो मेरे पास वे हैं।

ये सैकड़ों नहीं,
हजारों नहीं, लाखों में हैं। इनमें
से कईयों को तो दुनिया विजुप्त समझती
आई है। इनमें से कईयों में डच्छाधारी
शक्ति भी है।

ये डच्छाधारी
विषधारियों को मेरा
जवाब है।

क...क...कमाल है।
पर ये उनके विष को आगे
टिक नहीं पायेंगे।

इनमें से
किसी भी जीव
पर विष का असर
नहीं होता, नाकामिया
अब जाने की छड़ी
आ गई है।

त...तुम निश्चय
होकर ज़ब्रो, पार्टनर। मैं
यहां संभाल लूंगा।



मैं अपने जाने
की नहीं...



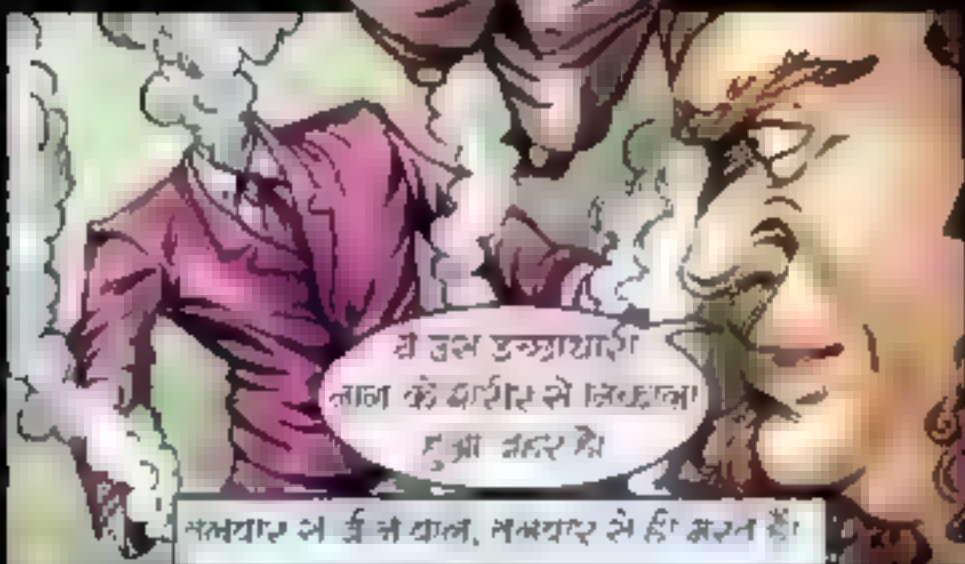
...तुम्हारे जाने
की बात कर रहा
हूँ मेरे लिए अब तुम्हारी
उपस्थिति स्वतः ही चुकी
है और किंग को कमांड
प्रसा करने की आदत
नहीं है।

बहुत दिनों से मैं यह
जानना चाहता था कि तीव्र
विष का कुछ आम इंसान
पर क्या असर होगा।



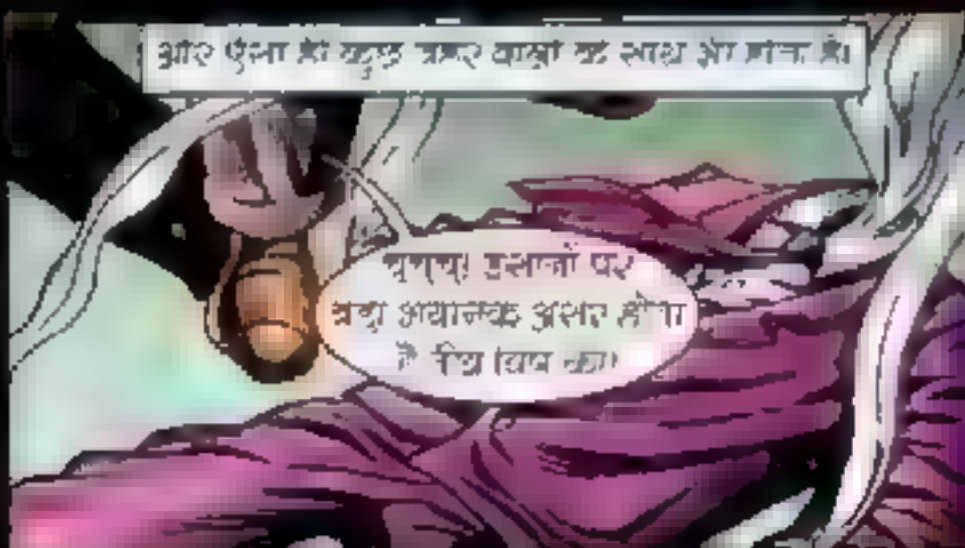
मुझे मुझे
ऐसी किसी बच्ची।
का आकाश था कर्मजो
इर्नागिण, इर्नागिण... मैंने
वीलॉम का दुर्लभ वलाकर
पकले स ही वा रहता है।
तेरी आत्म मुझे पर
कही चकरी।

Very Intelligent
पर ये बुद्धिवादी कलावा वीलॉम
कही है नाचमाया



ये उस दुर्लभवादी
नाच के बाहर से निकला
हुआ नजर है।

नमस्कार से ई नमस्कार, नमस्कार से ही मरत है।



और ऐसा ही कुछ नमस्कार का साथ आ मरत है।

बुद्धि! इसको पर
बुद्धि अवाक्य अंतर हीना
है वीथ (वाच नका)



चलो साथिया



"आज हमारे शक्ति से सारा
अहंकार एक साथ दूर हो जाएगा।"

शोषक निमित्तों से एक
होने से मुझे ने दुर्लभ का सिर्फ
आकाश हुआ परंतु दुर्लभ को
मेरे संग गना ही मिल गया।

मैंने है वह
बुद्धिमान?

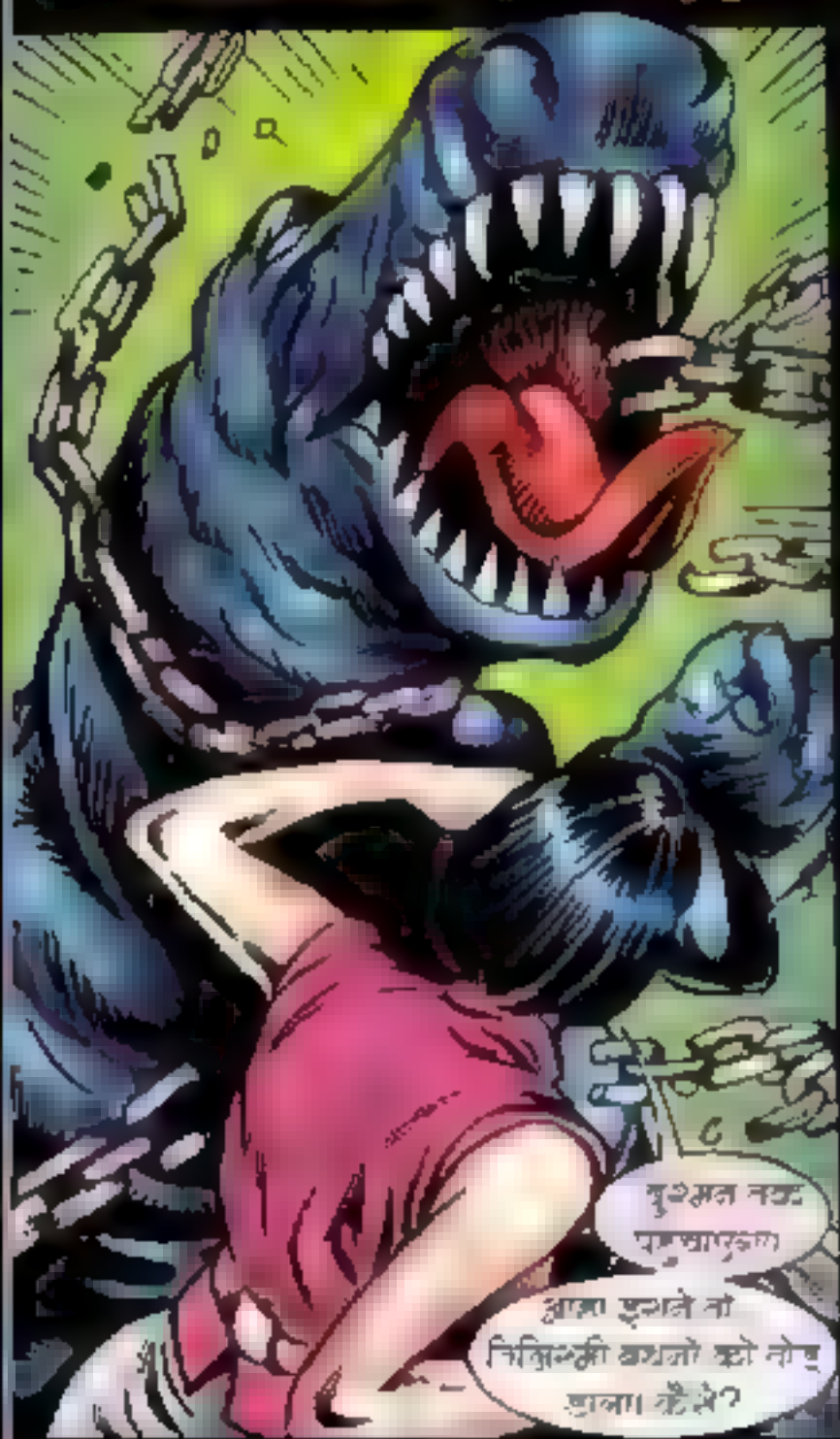
पना चलने
से पकले की संपर्क
दूर जाया।

अपक दूता लगी है
इसकी बुद्धिवादी है ये नमस्कार
है वह संपर्क।

अत्र से हमारे
विजय अभियान शुरू
होना है।



और कुछ दूर
में इसको पकड़ लेना ल
फिर यहाँ हों



बुझना नका
पहुँचाएगा

आज इसने तो
नियन्त्री बगल को तोड़
छाया। कैसा?



मैं भूल गई
माली के कम आगे की लता
मे लीने है और जब आकाश लता
हमारी दुष्ट के लालचे नहीं होना जब
नियन्त्री का कलक कलक हो जाती है।



फिर भी अगर
हम पूरी बर्षी-छापी क्षति का
भाव कर करे तो शायद इसे
कैद कर सकें



आह! हमारे
शक्ति का बहाल भावित
हो रही है।

अगर उन्ही ही
कोई उपाय न सूझा तो
हमारा बचन सुझाव है।
दुश्मनी कुछ सोचिए।

कितने ने एक बड़े क्षति का
बलाभास भुन कर दिया था।

और वो अख्त बड़ स्थानर आमल उन की राह पर व

म में इनको पहचान
जया। आखिर एकलपकारशन
के क्षेत्र में अत न फल मेंले
पुलकनय के क्षेत्र में वसुन
कामाकन है।

उन्नी दौरत मेंले एक
गुफा में आदिमानवी का अमि
चित्रों में इन जीव का चित्र देखा
या। ये नो काहो लात पुलना
पिनुन जीव है।

और उस पर हर
पारो का श्री कोडु अरार
वही हो रहा

पुल अरार की व ल
मुझे पता नहीं है, पर मुझे ये
पता है कि ये इन मन्त्रिकों
में मरने वाला नहीं है।

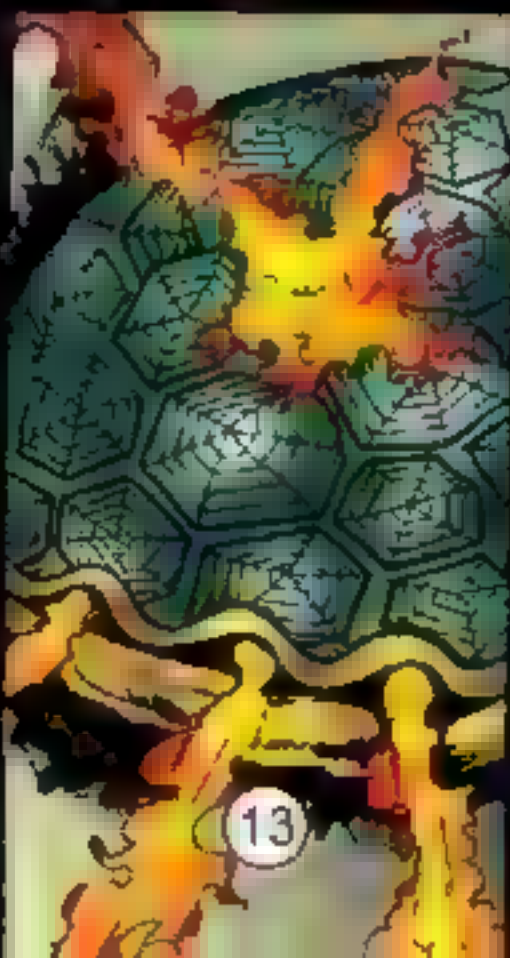
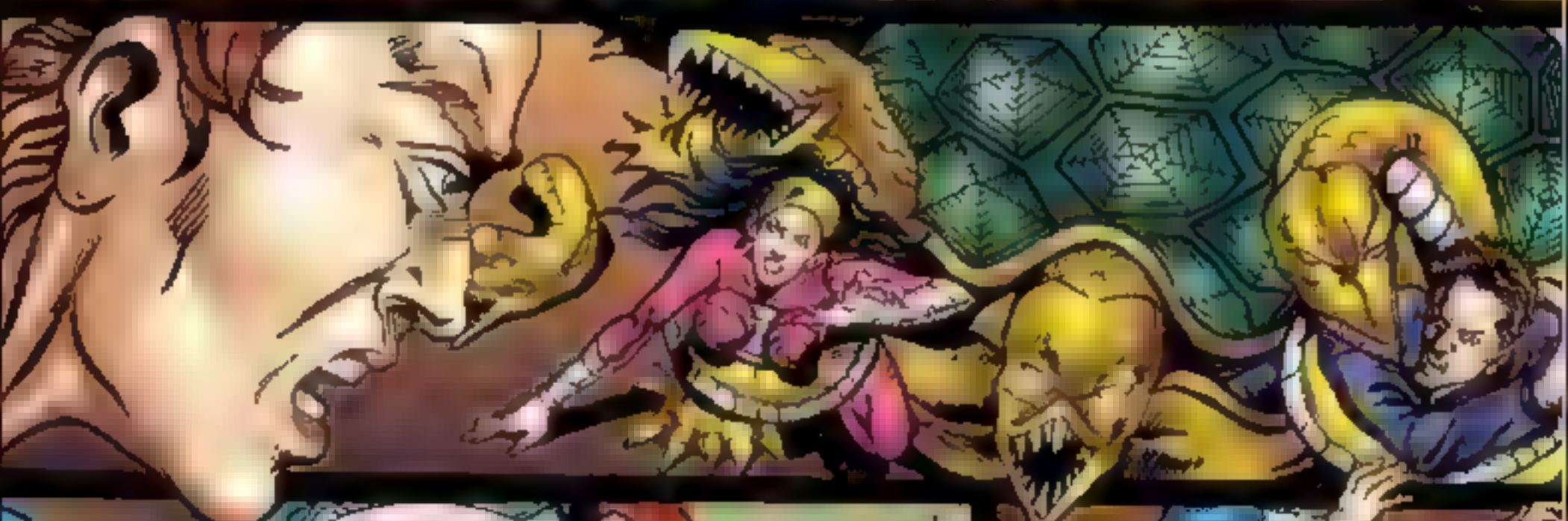
उस अमिचित्र म भी
उसकी अर्पना में कर्जो आमल करने थे,
लेकिन फिर भी यह आदिमानवी पर आरी पर
रहा था। हर प्रलय का ई मरीजा में 'री अररअम
आनि पुलकनयत्रम की अममन क्षमता मारी है।
एतके घाय वुरन अर जाने हैं।

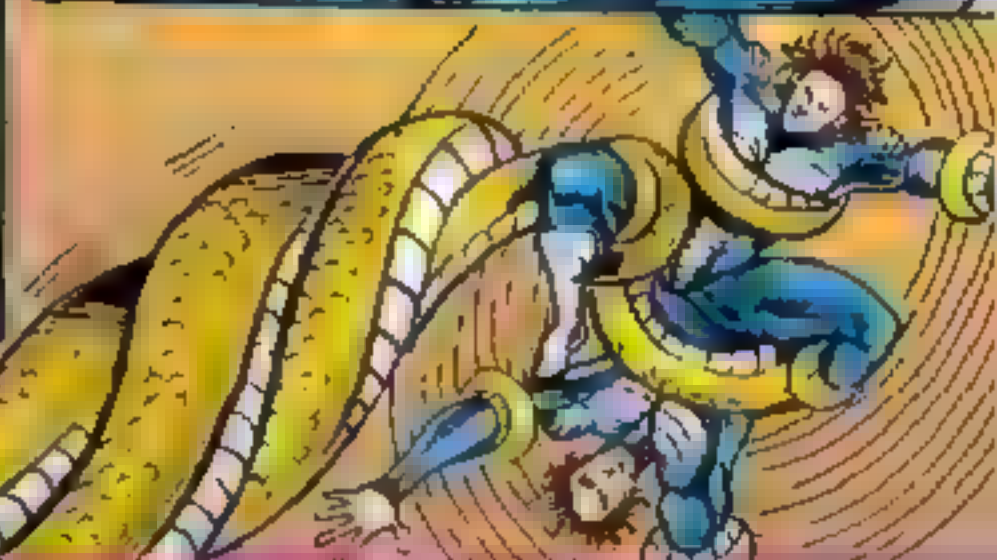
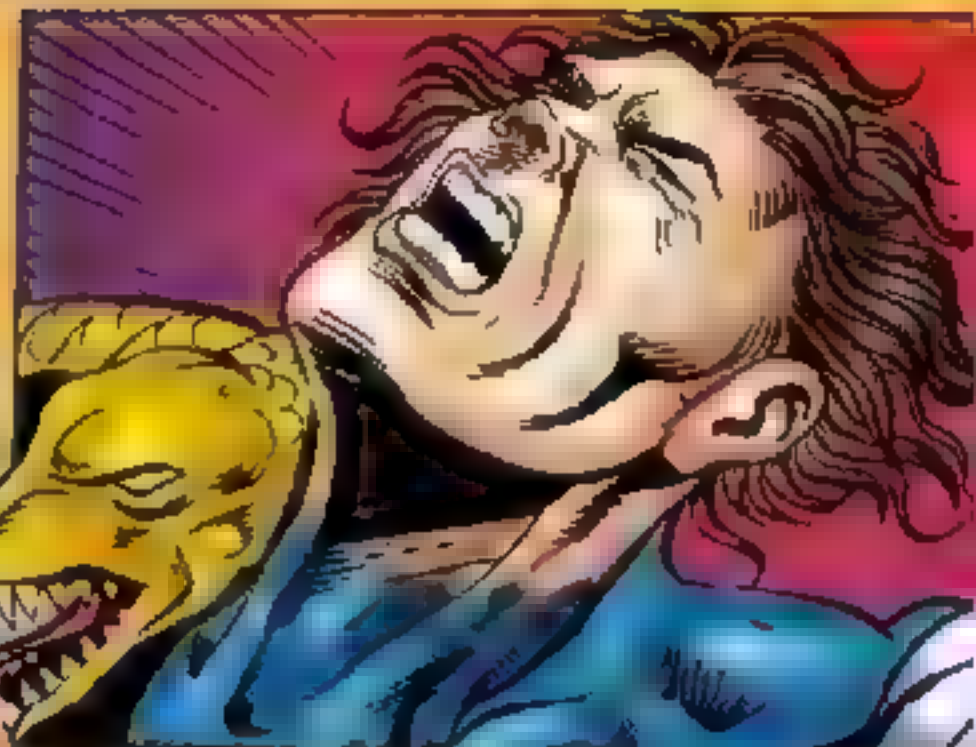
आता यम यम
हमको प्रमाल को नीचे
से जाना चाहता है।

मारे रहने नहीं।

मारे अररार को व
औरों वेल है। वेदुल वाला है
पर अफी भी चहनी है।

शान्ता बड़
अव ये वापस नहीं
जायगा।







ये शायद आपकी कमान से कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था

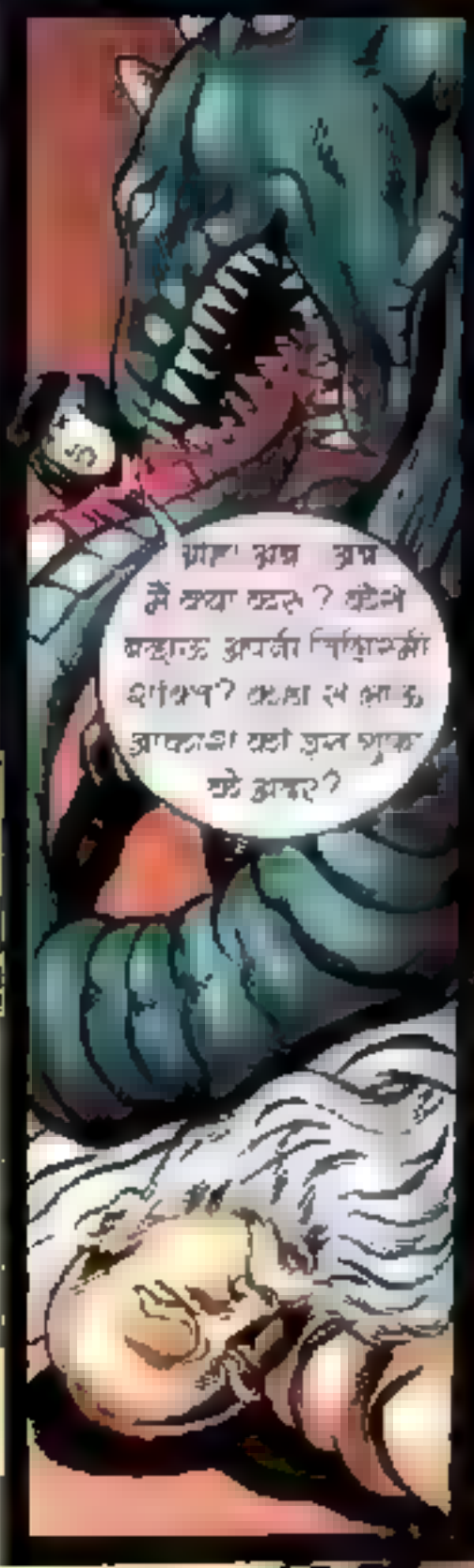


कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था। शायद आपकी कमान से कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था।

मैं नमस्कार। ये इन युद्धों को ही खत्म कर देता था। मैं नमस्कार। ये इन युद्धों को ही खत्म कर देता था।



आइलिंग



आइलिंग आप हैं क्या कर? कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था। शायद आपकी कमान से कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था।



यह है आइलिंग का अंग था। शायद आपकी कमान से कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था।



ये है कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था। शायद आपकी कमान से कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था।

यह है कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था। शायद आपकी कमान से कालका काइलिंग स्टैटिस्ट का अंग था।

आइलिंग नमस्कार। ये इन युद्धों को ही खत्म कर देता था। मैं नमस्कार। ये इन युद्धों को ही खत्म कर देता था।



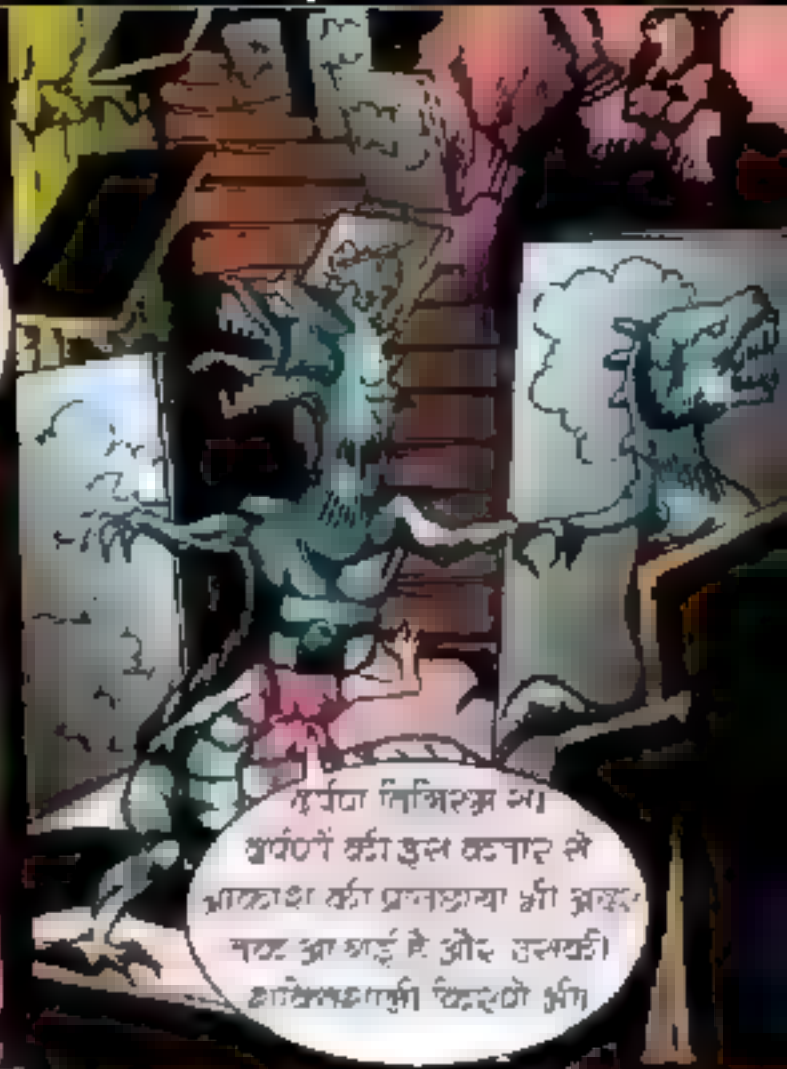
ये नुकीली जानकी है और मैं
भी कि अलग पर मेरा निशाना बनने
लेला कमजोर है। क्योंकि आकाश तब
यहां पर आ ही नहीं सकता। न मेरा
कदम नहीं बिगाड़ सकता।

पर न ये
नहीं जानता

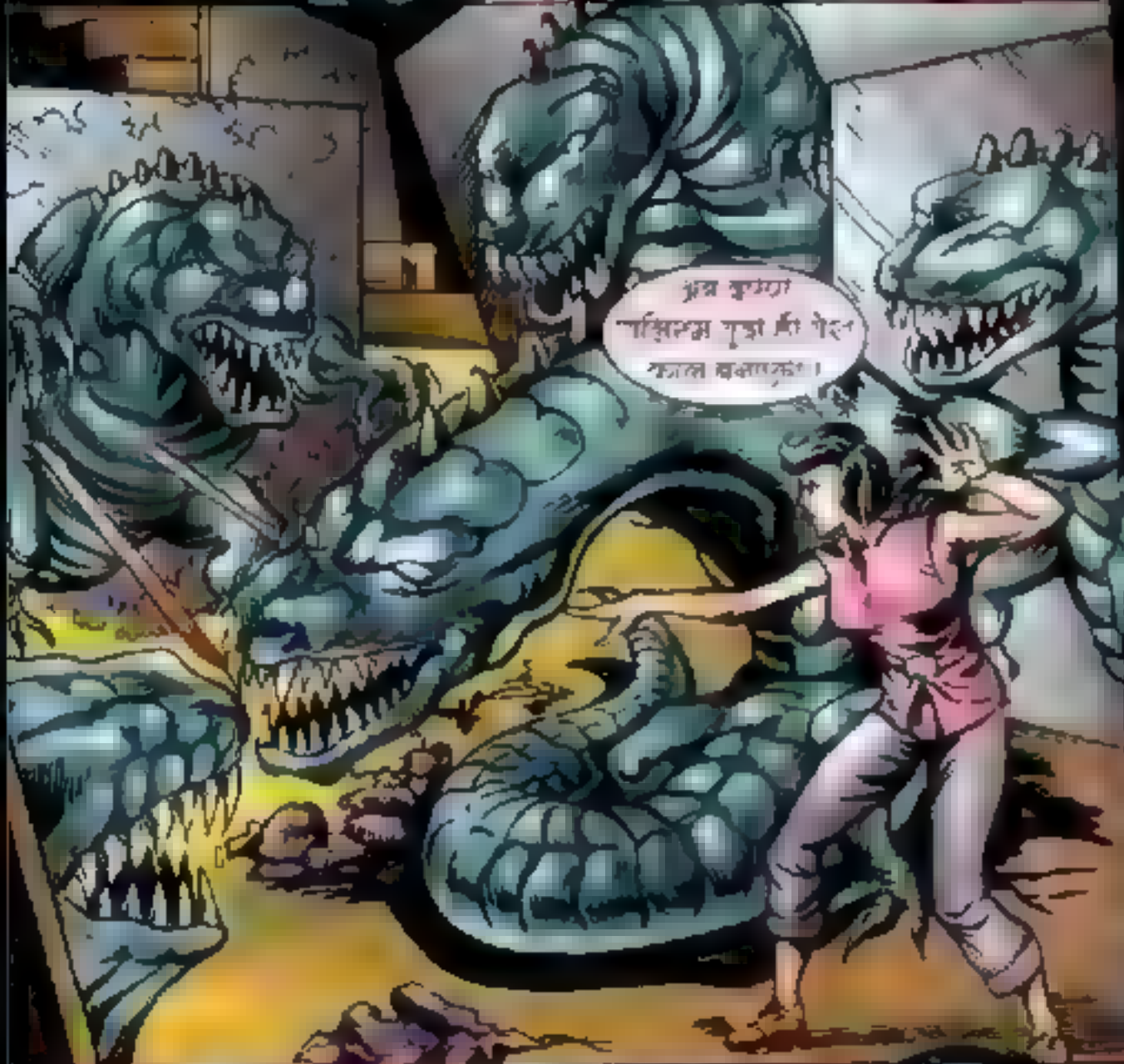


ये आकाश
यहां पर आ चुका
है और मेरा निशाना
पूर्ण इंसान मान
कर चुका है।

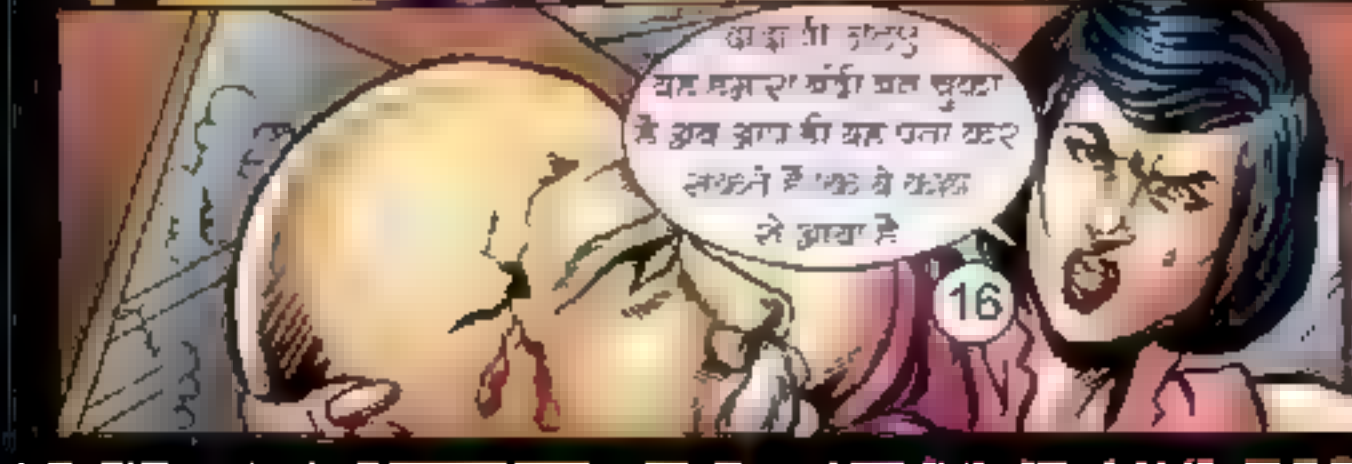
असंभव? न
कभी से सकता है न
कैसे। क्या?



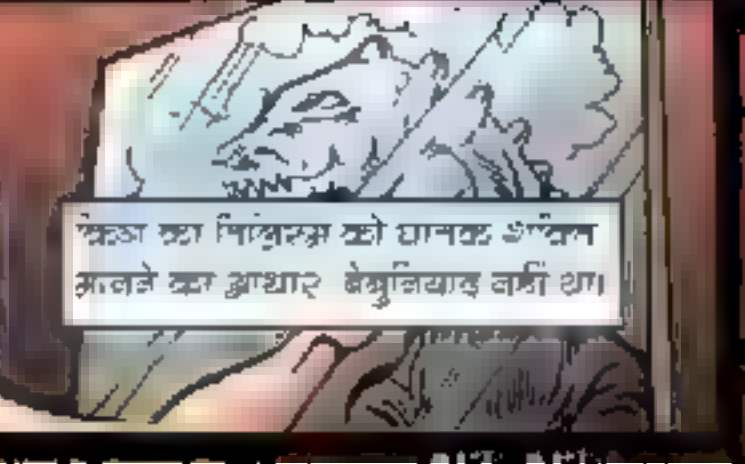
क्योंकि निशाना आ
अपनों की इस कदर से
आकाश की प्रणालियां भी अवर
गम आ गई है और उसकी
आविष्कारों की तरह ही



अब हमारा
निशाना नुकीली मेरा
कदम बिगाड़ता है।



आकाश की नुकीली
यह हमारा नुकीली नुकीली
है अब आप की यह पता कर
सकते हैं कि ये कदम
से आया है



कदम की निशाना को घानक इंसान
मानने का आधार बेमुनियाद नहीं था।

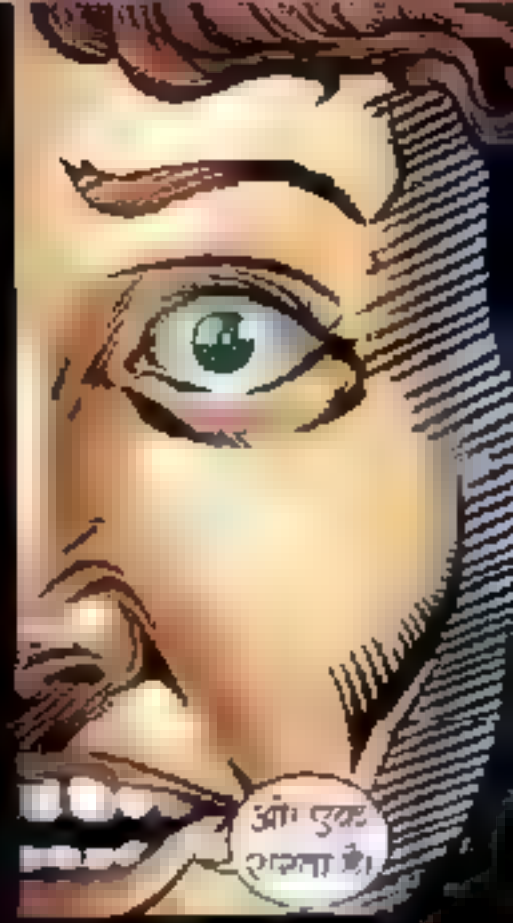
परंतु आगलगी को हलका समझना
उसे भारी पड़ सकता है।

आइसलैंड में पाल
समूह थाड़ा वजन है। उनका
भारीर का थोड़ा भारना कमजोर
नी प्रकर लाला यही ये कड़ी।
मरना ही नहीं।

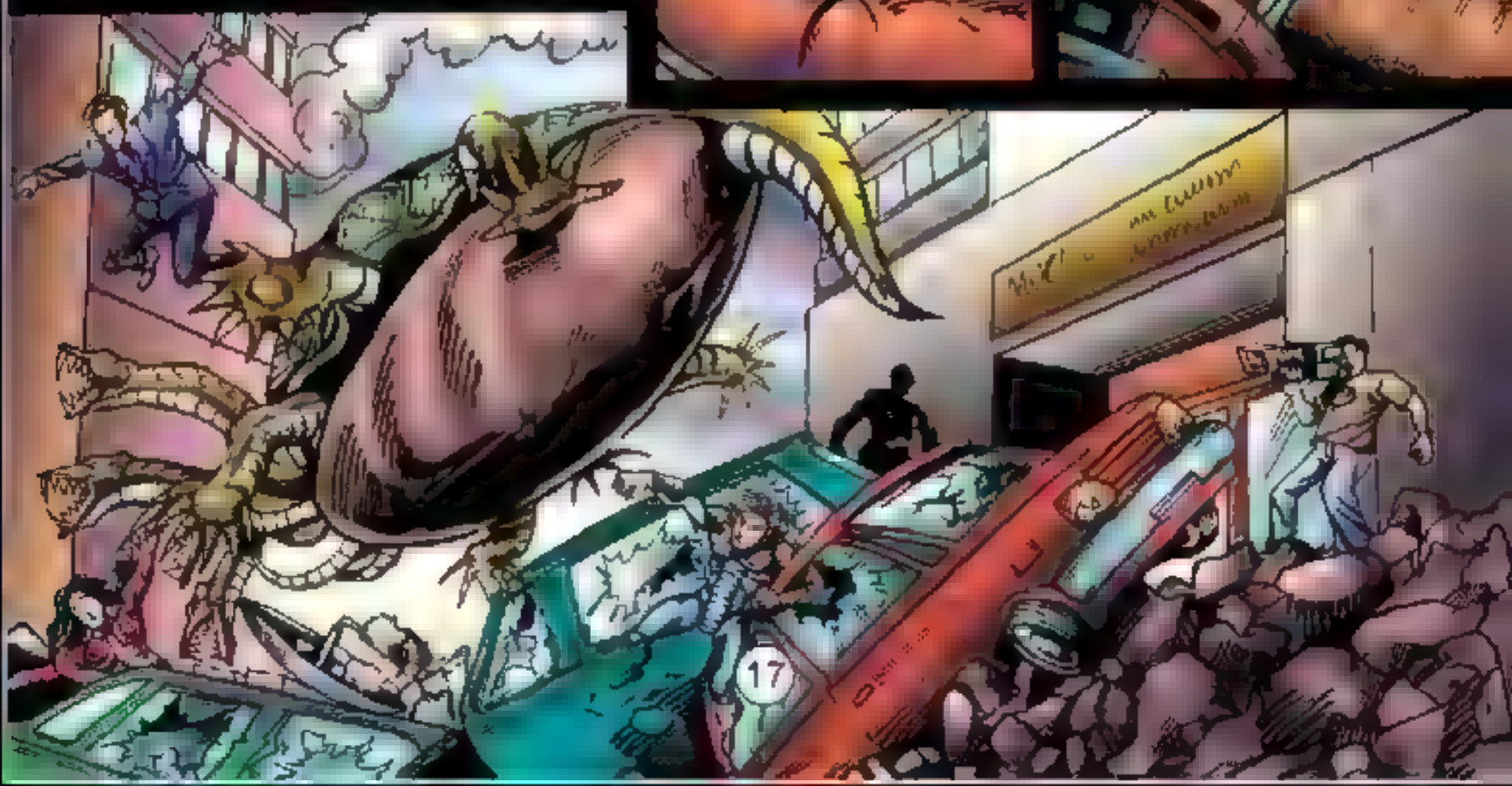
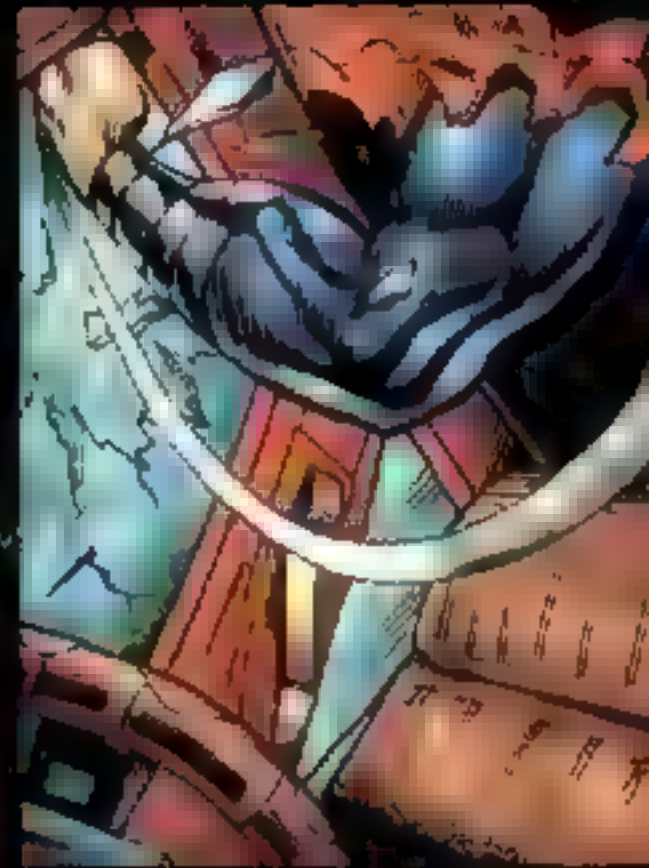
पर प्राणी का लक्षण
ना मुक्त मिलना होना है उनका
पेट का निरुद्धा

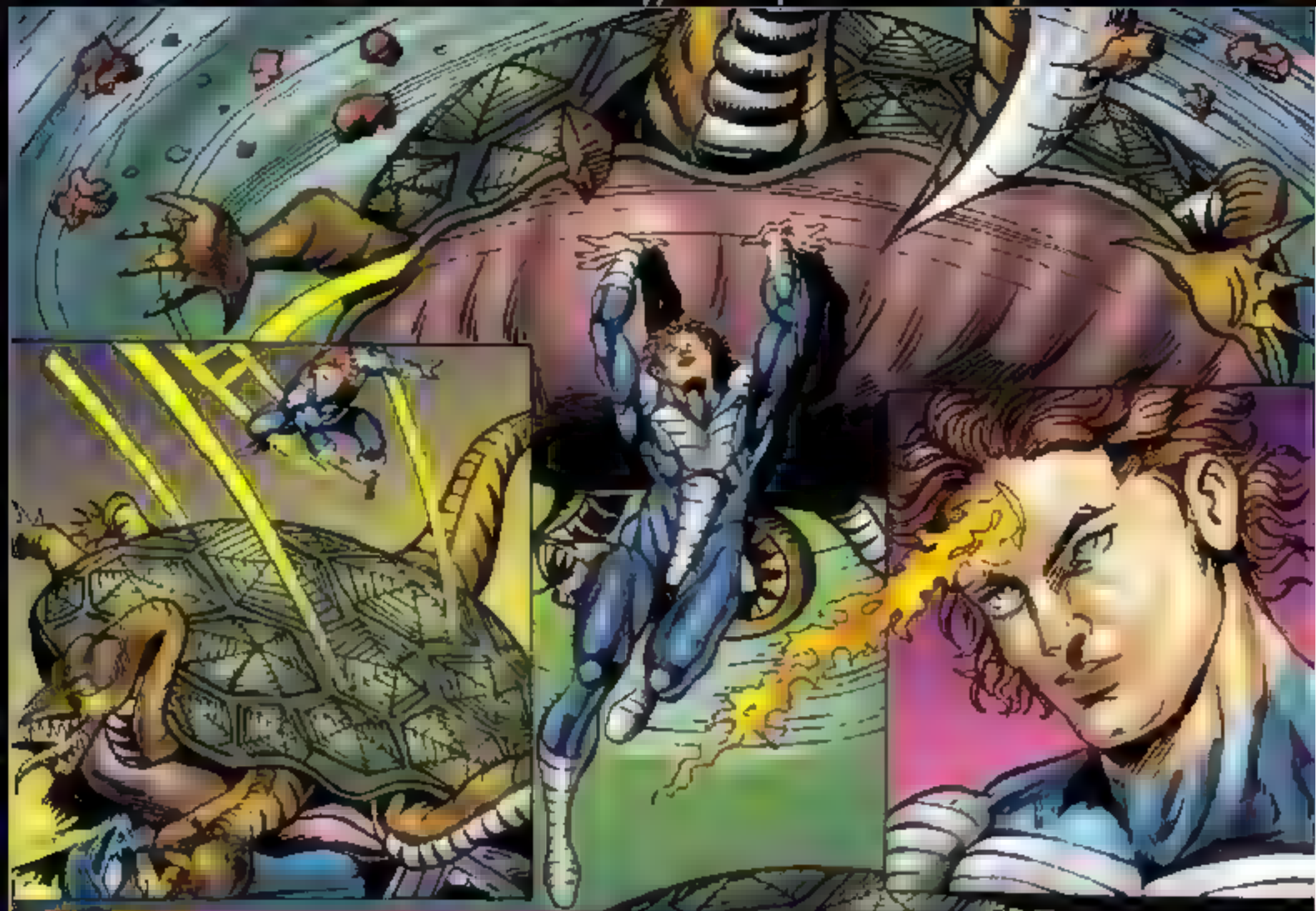


पर ये ना मुझ
झुंते पेट वक्त पकड़ते ही
नहीं दे रहा है।



ओ! एक
शक्ता है।





कमाल है! उसके
समयक यही इंसान ने यिन
को डारने का प्रयत्न
किया था।

अरे! जान बघाने
को लालू थरथराया जा रहा
है कि मुझे मारना
उत्पन्न नहीं हो।

बाकी इसके
२ और में विषय है।
यह आश्चर्य है क्यों?
लेकिन कहेंगे कि जो। अगर
वे जगह पर है तो वे
हमारा दुश्मन नहीं हो
सकता। इसने मार
की या लकड़ी है।

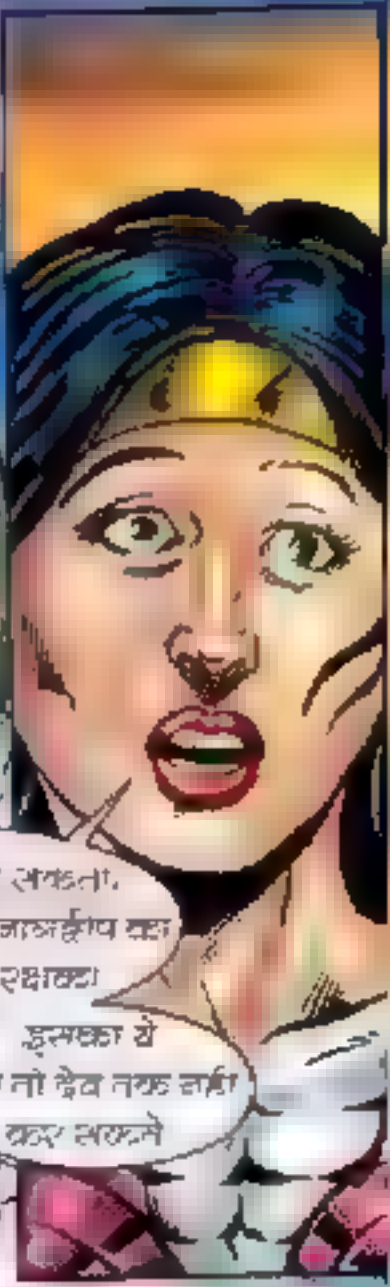
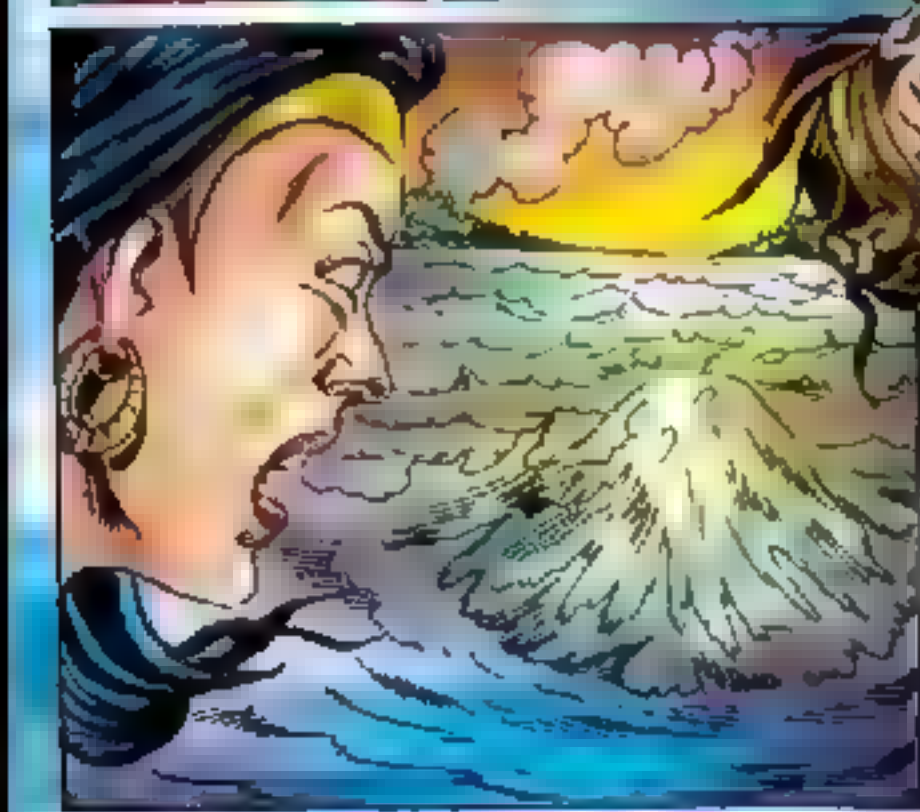
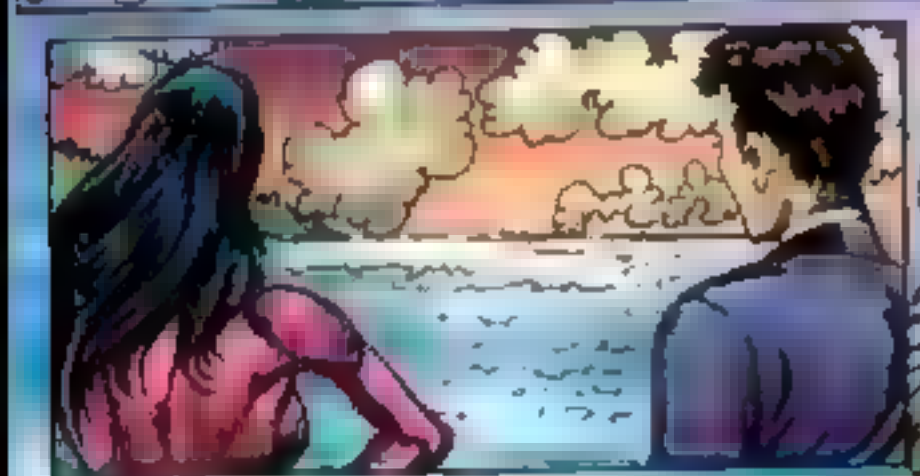
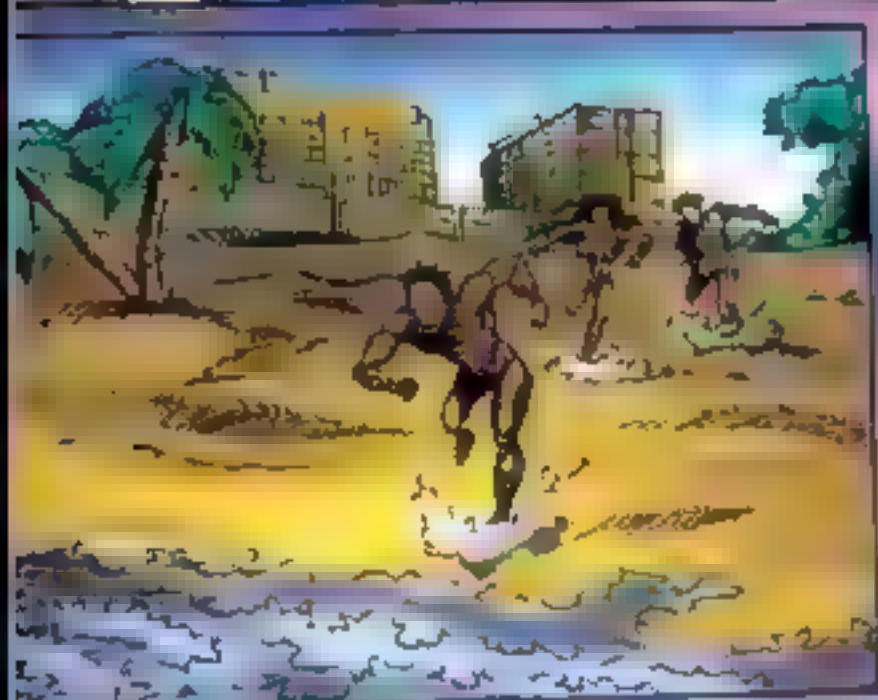


और वह भी
जवाब दे कि हमारा कुछमन
एक ही है,

और वो मैं हीनाम क
मांसक। मेरे पास येना
पंजर और फाटफटल हैं और
मुझे कुछमन साथ मुझे वो
हम उलकते कुछमन से
लेके लकल है।



घर में लीक है, पर
मुझे अभी भी अपने हा
आमल को रखा है?



व . ये नहीं तो लकल,
ये तो लियेसर है। जलकूप का
प्रमुल हार रक्षक।

इसका ये
माल तो देव तक नहीं
कर लकल

My
god its true
इच्छाधारण शपथ
सच में होने हैं।
wow!

पर तुम डलका
कैसे जानती हो? कहीं
तुम भी

विश्वेश्वर! क्या
तुमको? मोक्ष से
आओ, विश्वेश्वर! लाने
को मंडो।

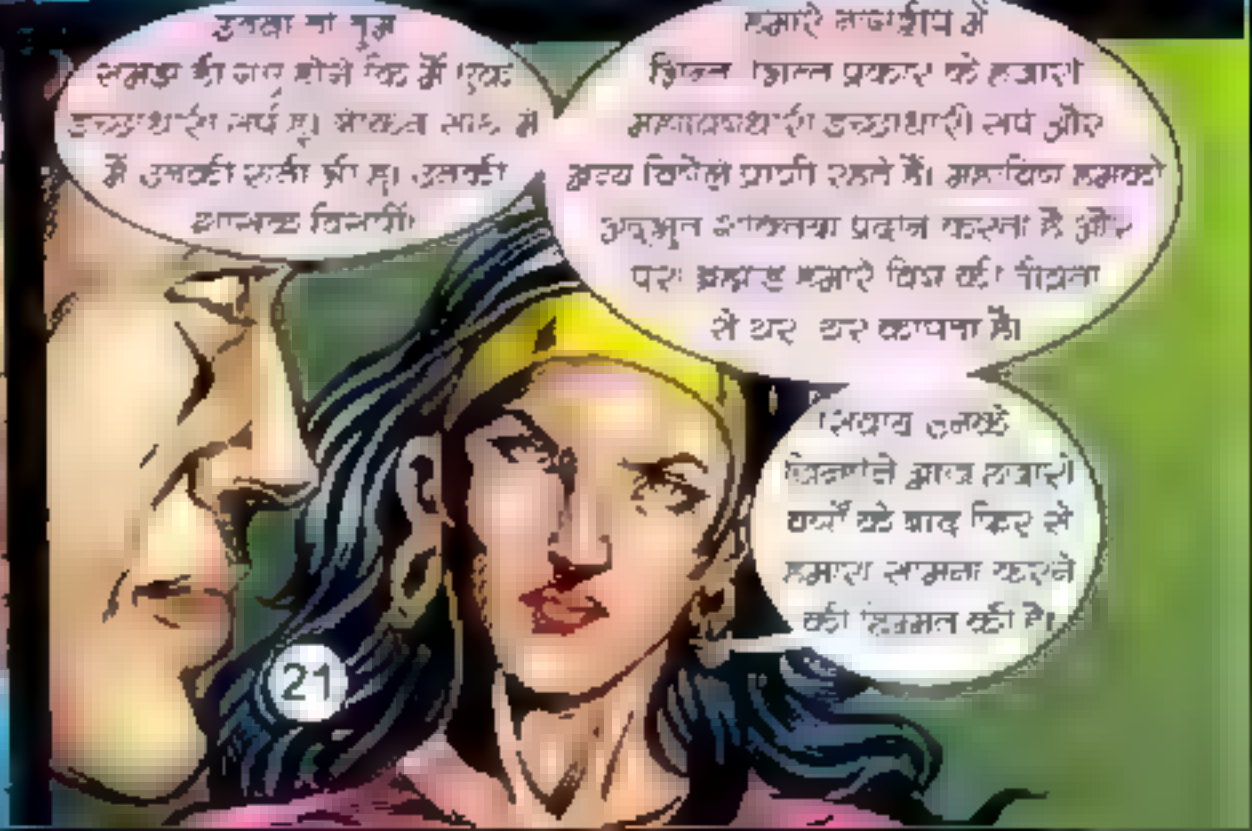
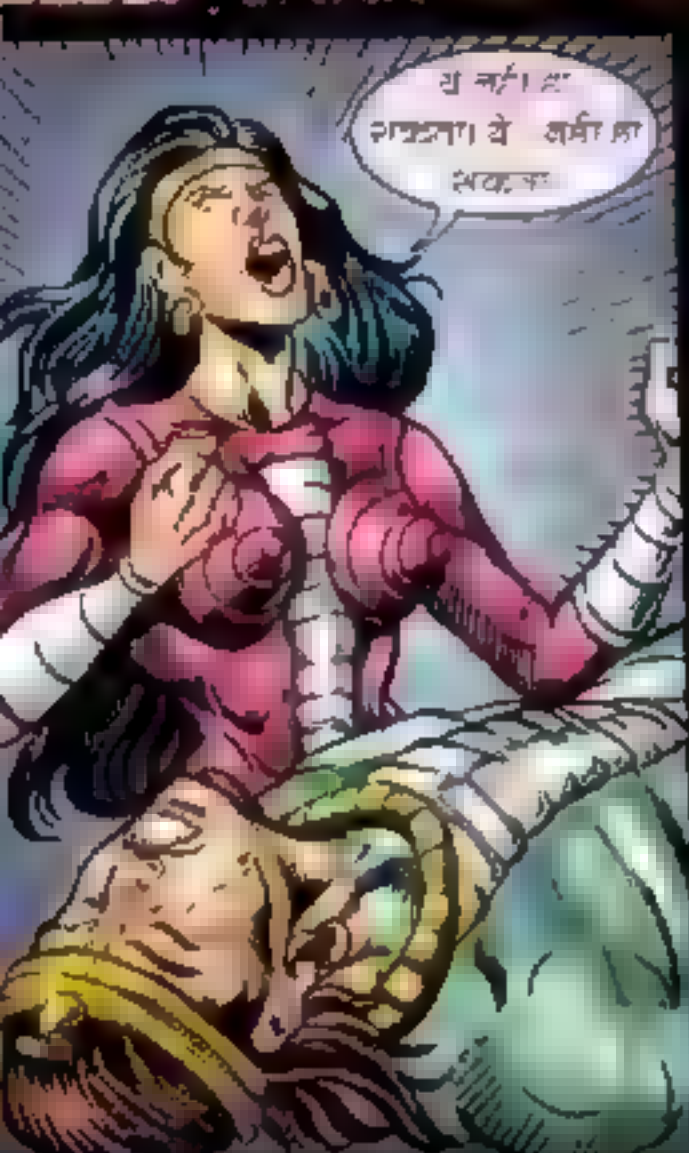
आउSSSSSS
ले प्रसन्न हो

उसने अचानक समझा
कर दिया। समझो इसका
आकाश की जमी था। समझा
काम ही की समझा लक्ष्य के
मिल गया जमी था।

यह सब कहते हैं
आओ, यहाँ से, जहाँ से
और यहाँ से।

अचानक धुन
किया समझो पर इस
मैकाना यहाँ की समझ के बीच
उसने समझी समझका प्रभु प्रभु
हो है। समझ उसके समझते
दिखा लगी पाए।

उसने समझा
जानवले की समझ गीता और
भेद पर जानवले धारियों के
प्रभु प्रभुकर से आए।





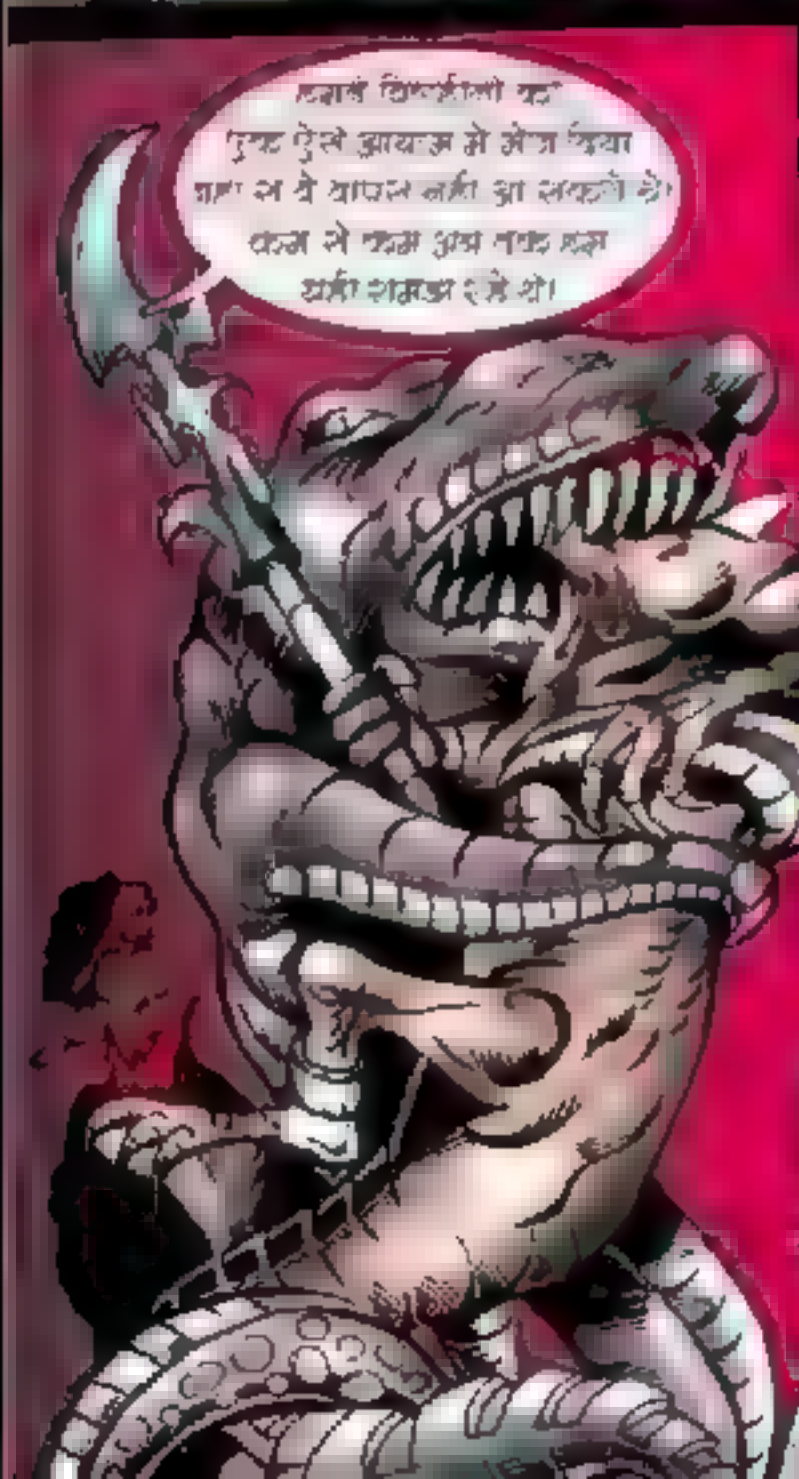
शोक है क्या?

इन मूर्ति के हज़ार
तैलें वे कुछ ख़ास रूप और
हज़ारों नरालूप जो विध्वंसक हैं और
निलकण्ठ विध्वंस हज़ारों नराल की बुआ
हैं। कुछ ख़ास नमयायश्वि के बाव
उनमें भी इच्छाशरीर शक्तिशाली
शक्तिशाली शक्ति हैं।



इन नरालों में
सबसे ख़ास नराल प्रमाण ही,
किन्ना स्नेह की, क्योंकि उन पर
किन्ना ही प्रमाण के बाव का
कुनर लगी था।

अन्यथा लक्ष्य और कुछ
पक्ष उलटने अन्य नरालों से
संयोजन कर लक्ष्य की यही शक्तिशाली
शक्ति कर ही और अपना कुछ शक्तिशाली
लक्ष्य बनाने लगे। उन ही
अन्यथा बाव में लगी।



हज़ारों विध्वंसकों का
कुछ ऐसे आयात में भेज दिया
गया न वे बाव में लगी आ लक्ष्य के
कम से कम कुछ नराल हज़ार
यही शक्तिशाली हैं।



छोटे छोटे से अन्य
प्रमाणों के बाव, ख़ासतः
बनने अज्ञ, शक्तिशाली का लक्ष्य ही। वे
इन नराल पर पूरी तरह से अपना
लक्ष्य बनाने से यही हज़ारों और
उनके बीच में नरालों का
कारण बना।

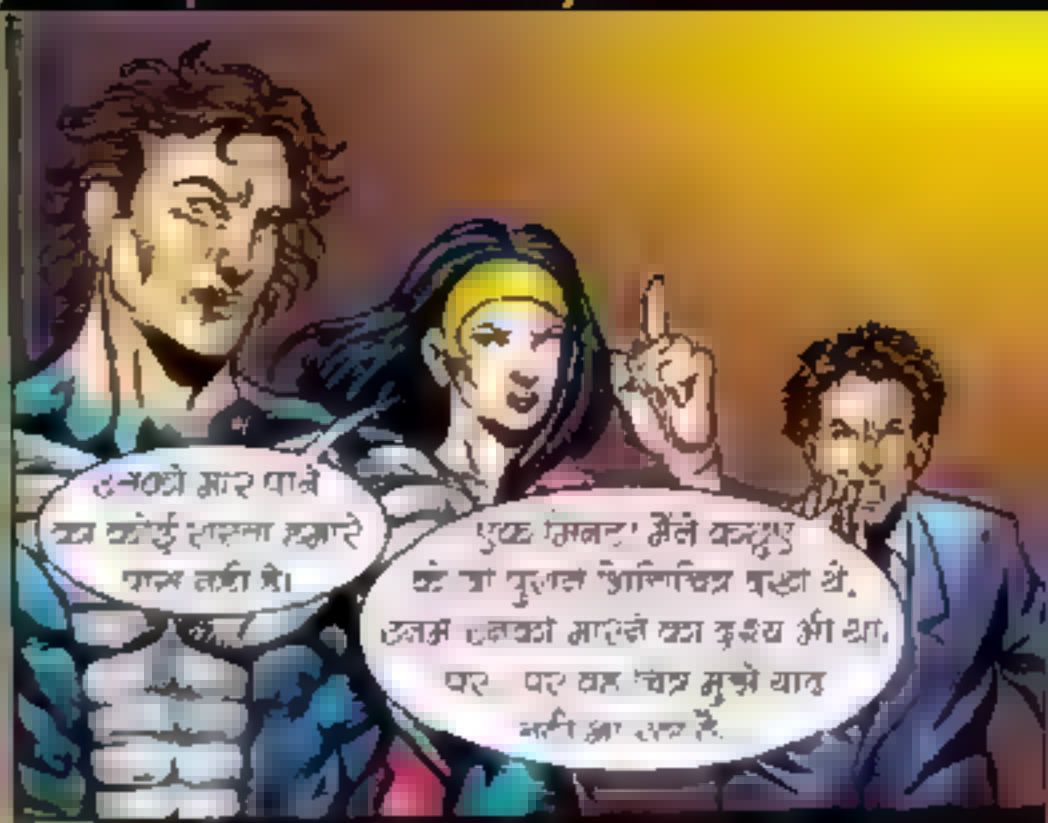
यह कुछ पूरी शक्तिशाली
के कई नरालों में कई बावों तक
लगा जाता रहा। इस बाव, शक्तिशाली से
अपनी तरह इच्छाशरीर शक्तिशाली के
कारण बन लगे।



यही यही शक्तिशाली के
अन्यथा इच्छाशरीर शक्तिशाली हैं
what what rubbish

यह ही
नो हो शक्तिशाली
है यह शक्तिशाली के
शक्तिशाली शक्तिशाली ही
ही और वे किन्ना
स्नेह के इच्छाशरीर
पर बाव लगे
हैं।

पर इन नरालों
नरालों पर हज़ारों से क्या
शक्तिशाली हैं? शक्तिशाली ही
से क्या शक्तिशाली हैं?



PRESS CONFERENCE

DR. K. KARUNAKARAN
(FOUNDER/DIRECTOR: SNAKE)

आप हीनामि कहने हैं।
यह मर्ल रूपाव है और
उसको चमकने वाला
रिपुवन्दर ही।

हीनामि आप यह
विषय से बच है और अर्था
यह प्रायोगिक स्तर पर ही है।
अर्था इसका व्यवहार करने का
हमारे लिए धारणा ही
समझना है।

अर्था यह
कमिना सुरक्षा बचा है।
यह तो आपराधिक
कर्म है।

इस वक्त
मुझे निरर्थक हीनामि
का पुनःप्रयोग की चिन्ता है
अगर सफलता कीविषय
होना तो ऐसा करनी
ना होगा।

हम वंश
की भरपूर ले
सम्मान के पर हीनामि
के प्रयोग पर धारणा अर्था
ही है और इस कार्यक्रम को
रखने वाले प्रत्यक्षता की
पकड़ने की कार्यवाही
विशेषज्ञ पर शीत
तो मुकी है।

क्योंकि
हीनामि का रूप
है अर्था।

अर्था अर्था
है अर्था अर्था है। हीनामि
मार्गों के अर्था अर्था है,
पर हीनामि अर्था है।

है इनको सुरु ही
नेवार धा मासक नाम को
करीब। नम बोधों से अपनी
मोन अर्था बुझा है।

है अर्था अर्था अर्था है।
नामों को अर्था अर्था अर्था
किया अर्था है।

इसका अर्था
आप अर्था अर्था
आपों से वंशहीन, यह ऐसा
हिनामि हीनामि ऐसा मासक
इतिहास में आज तक
करीब नहीं हुआ
अर्था।

पर अर्था
नो अर्था अर्था
समझ में चुकी है।
अर्था अर्था अर्था अर्था
अर्था और अर्था अर्था
अर्था अर्था अर्था
अर्था अर्था अर्था

है अर्था
अर्था अर्था अर्था अर्था
अर्था अर्था है।

ये ये अर्था हीनामि
मिला हुआ है। अर्था अर्था
हीनामि अर्था अर्था अर्था है तो
इस अर्था अर्था अर्था अर्था
वैले अर्था अर्था अर्था ही अर्था
मैकल अर्था अर्था।

कैलाश के 15 मंदिरो का पूर्ण दृश्य पकन देखाने वाली हो

ਸ਼੍ਰੀ ੴ ਕਰਿ ਨਿਭਜੇ ਅੰਗੀ ॥ ੩ ॥

ले 'महाभारत' विना
'कौली' चेनायकी का महाभारत
महा कौली पहाच अई?

ये गानकर्म के
कार्य हव में पुकलपुक्
पुक्लपुक् में अड लव

तस्य किंसी दुसरे
आत्मसे पर ऐसा वार
कौन कर सकता है?

गंगाधर तिलक लिखित ग्रंथ

गोलाक मसालाद्वारा का सफ़ाई करना चाहिए।

भाज्य त्रीन्ः ॐ न
 गुणवत्तम भाज्य विद्याया, विद्या।
 श्रीनमः कदा भाज्यतः सदा कदा ॐ न
 विद्याया कदा ते न विद्याया
 लोकाया विद्याया।

श्रीराम पितर भूषण
महता ही वो लेखन कर
कृष्णलाल कल्याण

यद्यपि वे भूत भी जानते हैं,
ले, जानते हैं कि वे, अथवा जानते
हैं कि वे भूत भी जानते हैं,

अपने बड़े बूढ़े से
प्राचीन और नयी सभ्यता में
एक प्राचीन और नयी सभ्यता में
आपका अचानक का कदम
सही है।

इस मौन से
शायद नाज़िश्वर की
आँखों में आँसू नहीं
क्या पता।

जाना दुख
ता तो मैं नहीं
आजना।

पर इस तरह
जैसे मैं धूल में मिलती हूँ
जहाँ इन्ना

सका कक्षा
५७

25

है बेटा। य
मे साक्षात्कार नहीं
रहता अतः मृत्यु
करके जाता है।



"य उस मिनाइल से टकराते जा रहा है उसको
चिन्ता में बहुत परमात्मा बसों की शक्ति है। जो पक्षियों
को चुर कर दे और सफर को आकलन करा दे।"

"इसका मतलब है कि तुमने अपनी जान
खतरा करने की बातें की रक्षा की है।
मानव जाले मुझसे वे शक्तिवान "

"कहाँ जाले शक्तिवान?"



अनजान अज्ञान। य
जाली भी सफरवा। उस विलेन
से जाला करोड़ों करोड़ों सच
सकलता है?

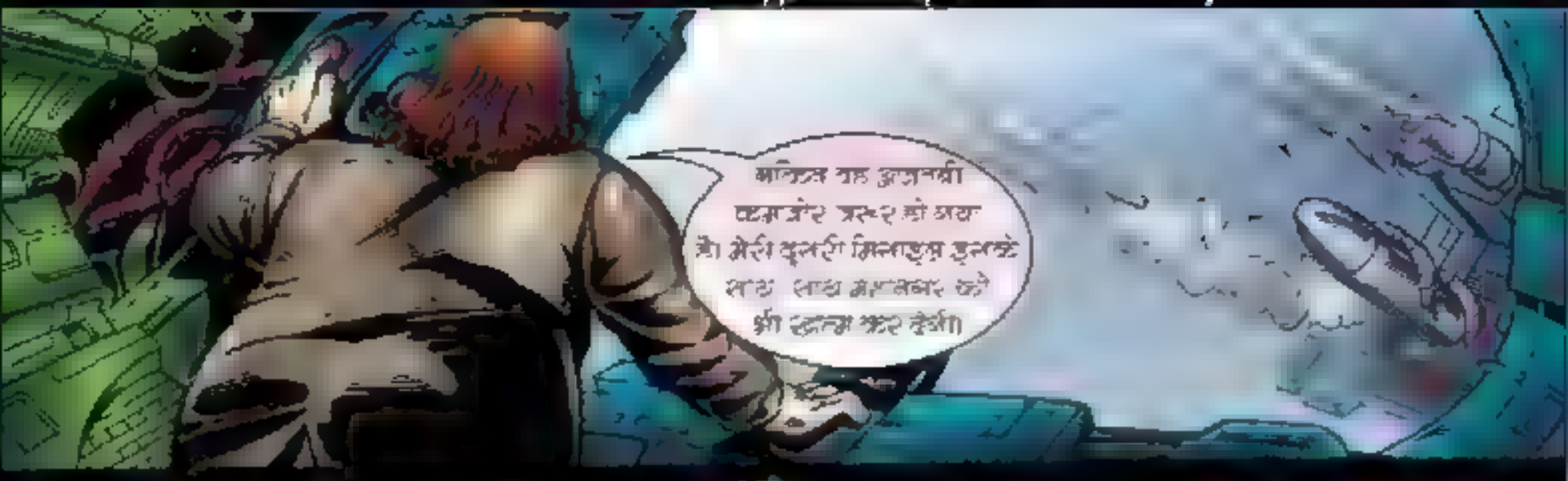
रक्षक अज्ञान
नला जाली है।



इन घातक
जाल के सचकों को चुर
सकलता है। आइए।



या तो मेरी जानसे
खतरा हो गई है या फिर मेरा
दिल्लगी करोड़ों इंसान जाला विलेन
मिनाइल से टकरा कर करोड़ों
सच सकलता है?



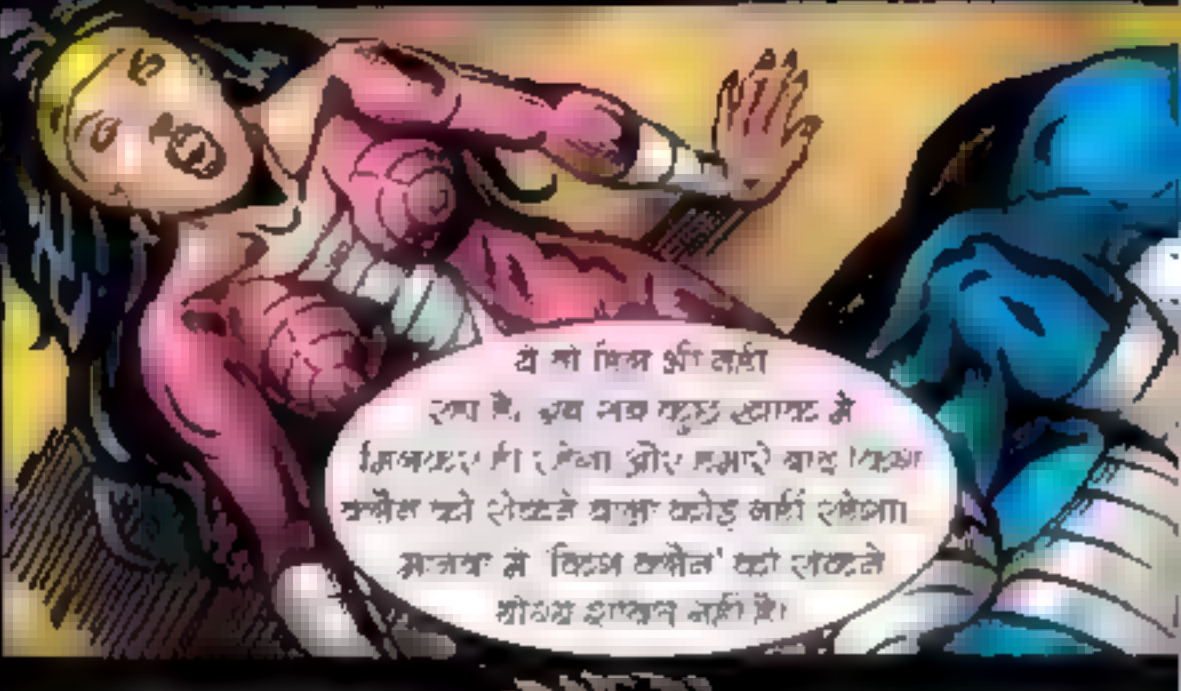
मलिनस यह अजनबी
कमजोर प्रसन्न हो गया
है। मेरी दुल्हन मिलाइए मुझे
साथ साथ महलवार को
और खाना कर देंगी।



डिमांड्स पूरा कर रहा।

आपका पुत्र और
मिलाइए और ये पहले वाली
से ज्यादा खानेवाले
बन रही है।

उन्ही, अजनबी, उन्ही,
मुझसे ज्यादा इस विनाश
का कोई दाम नहीं सकता
उन्ही, अजनबी।



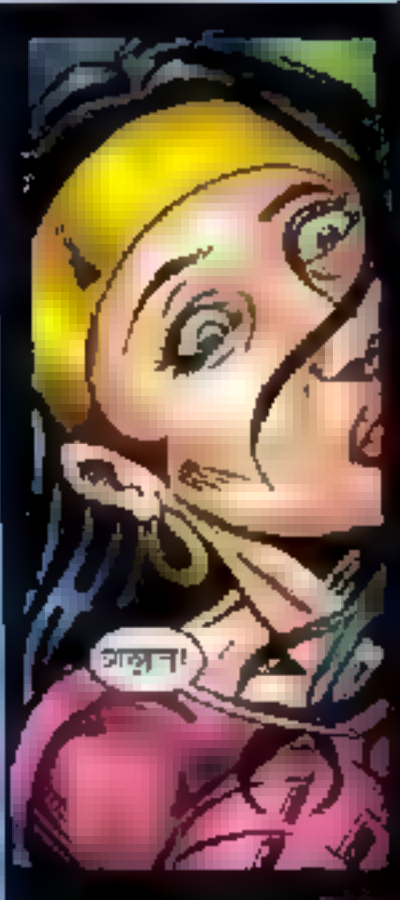
ये तो किन की लकी
रहा है, अब नय कुछ खाए
मिलकर ही रहेगा और हमारे बाद
कौन के रोकरे बाक छोड़ ली रहेगा।
मजबूत में किन कौन के छोड़कर
शोध शोध नहीं है।



अब य मिलाइए समाप्त
के अब नय दुली नाम मुताबिक
में मजबूती रहेगी।

आपकी पुत्र
या कोई?

हमारे कमल दुश्मन
ले मुझे पर और हमला किया था,
पर मैंने उसे बंदी बना लिया और
बादली ले उससे नारे लाने
उठाया कि।



अलन!

इसलिए मैं
की वह शक्ति है
विलयी।

अ ना
मलिनस मुझे घुमेर
है वाली।



मेरी शक्ति
मेरा हाथ नहीं
छे रहा है।

तुम्हें लकड़
होने वाला आ आइए क्या
है? उसके पास शायद
क्या रहता है।

अगर रहता है
तो मिस्टर आइड से कहना
कि हमको भी बताओ हमको तो वे
भी पता नहीं है कि वे कुछ शुरू
करने के लिए हमको
बना क्या है।

वे ये कोई अदृश्य
शक्ति है शायद अतर्क
का पदार्थशक्ति?



कितना पता
प्रदर्शक नहीं
क्या

परन्तु ये कुछ
नियंत्रण शक्ति
नहीं

क्या स्लेक से
कई मोर्चे खोल
सकते हैं।

अबने पहले तो मानना
हो कि 'किंग स्लेक' की मुलाकात
है से आशय करना होगा, ताकि वे
निर्भीक मॉडर दुनिया में उपयुक्त
मनो-विज्ञान के प्रयोग से
नियंत्रित नहीं।

मुलाकात
क्या है?

किंग स्लेक का अंतर्गत
की अंतर्गत मोर्चे का प्रयोग। वह
'मोलाउट' से हर समय बदलने वाले दुनिया
के प्रमाण पर ऐसा प्रयोग करता है कि वह
आत्मतन्त्रा कर बैठता है इन दुर् में कोई
उत्पन्न किसी की मदद नहीं कर रहा है।
अबने पहले उस कमांड सेक्टर को
खोज करना होगा।



दूसरा मोर्चा है विलम
की प्रभावकारी शक्ति से हारे
मिथ्याओं को समझा करता, परन्तु वे
मिथ्याएं उस आवास में हैं जहाँ पर
किंग स्लेक को आदमी पहले फँस
चुका था। वह सब आत्मतन्त्रा
मालूम कि कि प्रमुख बाधा
अवरोध है।

पर मेरे लिए नहीं
हम इच्छाधारी बाधा
हैं ही किंग स्लेक के
लिए वह आवास बनाया
था। यहाँ आने उनके से
हमको कोई संकट
नहीं लगता।

29



और काइ
मार्चा है?

है। मॉडल मोर्चा
यहाँ है जहाँ पर नाविकीय
के बाधा बंद है। उनकी राय
मेरी से किंगस्ला का रहा है।
वे मोन की कमान पर हैं। पर
अगर कुछ प्रीनता है तो
अबने पहले चौथे मोर्चे
को प्रीनता होगा।

चौथा मोर्चा
क्या है?



नौकरों मोर्चे के
हीकल बजान में। उमा पर
बाबरराज कोड़ है। उनपर वह
बचकर हमारे साथ आ गया
तो आधा खुश हो कर ऐसे
ही चील भागने।

बाबरराज
कौन है?

यह लाला ही
सकना। अगर वह कौन है
तो मैं उससे लफ्फट क्यों
करी कर पा रही हूँ?



क्या कहें बुझलों की
कोड़ से उनकी बिकार बढ़े
भी बाबर लाला आ नकली।
येसे वह मुचिअन है।

य काली कालुं हो रहा
तो लाला है। काली भी अदृश्य
अदृश्य का कहना हम कैसे
कर सकते हैं?



हालांकि वो लाला
हो किन्तु हमारे पास यही
पुकारना लग है, यहा पर रहने होकर
समय व्यय करने से अच्छा होगा।
अगर हम इनकी भयाना
की बात करें।



यह काली कालुं हो
गए तो वह प्रचंडता
की बानें लाला लाला रही हैं।
मैं अचलकी से भागना
हूँ, हमका गावा
बाबरराज।

विशाल कहते हैं कि
शत्रुवाद। अब मोर्चे चील हैं। क्योंकि
नीमरा और चौडा मोर्चा एक साथ ही है
नीमरा मोर्चे पर एक साथ हावा बोलना
होना, नाकि बुझलों की भयाना होने
का मोर्चा ही न मिले।

यह लाला कर पा
क किन्तु मोर्चे पर कोड़
हावा बोलना।



हम चील
हैं और मोर्चे भी
चील है।

नहीं हम बाबर हैं।
मैं भी तुम लाला के साथ हूँ और
मेरे आलावा किन्तु वैसे ही काट करके
का तरीका कोड़ लाला बाबर। येसे भी
किन्तु बोलने के नाकि होने से उवाडा
कावना मुझे ही होगा।



और मेरे अलावा से
हमका अचलकी बाबर लाला
बाबर कर के बाबर लाला होना
बाबर। क्योंकि वह मोर्चा
ही न सकना है।

इसलिए मेरा दुआवा
है कि हम बाबर नो लाला ही
चुनें और लाला पर अदृश्य करें। वीरल
केवल, बाबर लाला और किन्तु के किन्तु
लाला और लाला की मुद्रा के का
अचलकी और मेरे किन्तु।

और बाबर पर लाला
बाबर लाला लाला लाला
मे कौन लाला लाला?



अंदर ही
झट जाकर
पड़ेगी।

पर कैसे ? बार
अपने आप लड़ना नहीं
और अगर हम पर बार बिजली
तो बार बार कई अना बड़
कर वापस हम पर
ही आयेगा।



तब तो काम
अजान हो गया
विलम्बी

तुम क्या
करने जरूरी
हो?

विजयपुत्र का
बार करने। ये देना गिल्लरी
विलम्बी है जो बनने ही फट जाते
हैं। इतना तब से आत तक किसी
क काम नहीं आया।

पर आत
आयेगा।



अब देख
हम पर आयेगा
बनने



और तुम
तब जाओ



इधर धारा आत 1
तुरन्त हम पर बार करने
क क्षण इनके अतिरिक्त
बनायेगा।

और व बनने ही
तब पड़ेगी। बार पर ये
हमारा शर होगा।



इच्छाधारी और पास
शक्ति फिर से निमिषकोटी
के प्रालम्भ ब्रह्मास्त्री
से फर फटेंगे।



मृगश्रवणा तन्त्रधारी शक्ति
और इच्छाधारी शक्ति से आ

और वे चक्रवात
नये नये ब्रह्मास्त्री
जैसे नये इच्छाधारी शक्ति
की इच्छा के चक्र से नये
उदय प्रारम्भ।



और तन्त्रधारी शक्ति पाठ करने वाली ज्ञानी श्री

श्री. लक्ष्मी भव
निर्मात्रिका।

मेसास का
आधुनिक अन्तर्गत
वर्ता अन्तर्गत आती तो
शायद और पुनः की
न पाती।



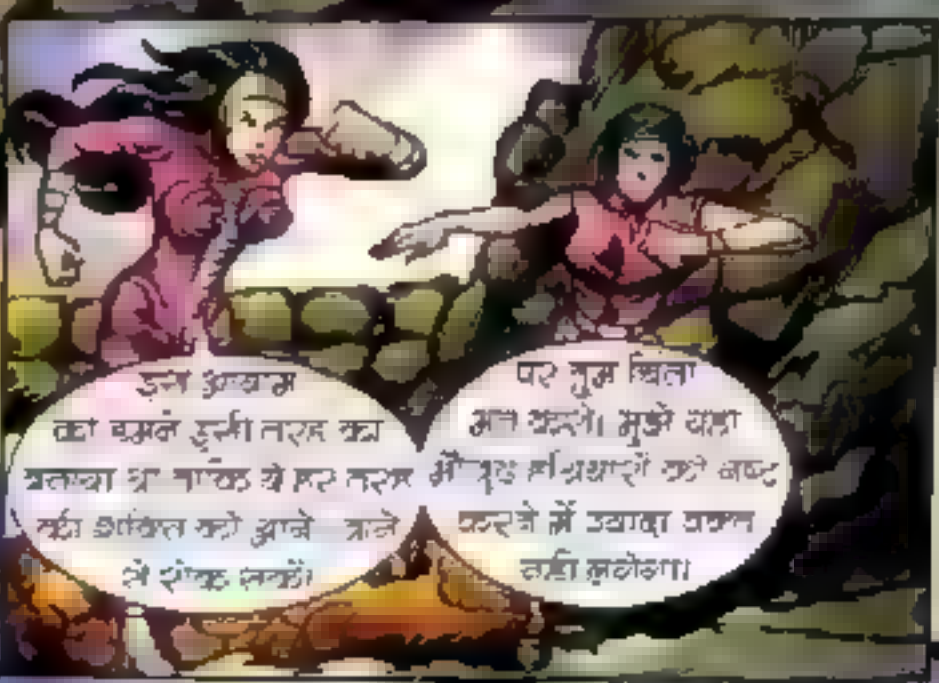
अब शक्ति
क्या है? ब्रह्मास्त्री
नियंत्रण नहीं है। ब्रह्मास्त्री
की शक्ति ब्रह्मास्त्री नये
प्राप्त हो गई।

शक्ति के पुनः
सिद्धि आ रही।



तन्त्रधारी
इन अन्तर्गत में
और शक्ति ब्रह्मास्त्री
नियंत्रण नहीं है।

अब शक्ति
क्या है? ब्रह्मास्त्री
नियंत्रण नहीं है।



इन अन्तर्गत
का ब्रह्मास्त्री नये
प्राप्त हो गई।

पर शक्ति
क्या है? ब्रह्मास्त्री
नियंत्रण नहीं है।

क्योंकि ऊपर वे लार हँचियार
चौतास वाली इच्छाधारी ताशों के बिग
की कान से चबाने में ना में उन केर को की
का आकर्षण कान का ध्यान रखने में
ये यकायकानी लियार दीत के
चिल्ले बनकर रह

११ बिया ये यहा नो
असंख्य लियार में। उन लक
पुल-पुल करके लक करके में
नो अविगा सैन बाहुनी।

पर एक काम बड़ी
आश्चर्यजनक मे विनयी।
इस लकियार के लिये एक ही
किसी आर्मी का लकियार
लकियार की आ लक है

यह लकियार
क्योंकि ये लकियार में
लकियार में।

और लकियार लकियार
लकियार लकियार में लकियार
लकियार लकियार लकियार

लकियार लकियार
लकियार लकियार में लकियार
लकियार लकियार लकियार
लकियार लकियार लकियार

तुम लकियार में लकियार
लकियार लकियार लकियार
लकियार लकियार लकियार

लकियार लकियार लकियार लकियार लकियार

तो इसकी चपेट में अजबदी
और मेमोंथ भी आने वाले थे।

संजय कहता था
संजय है कि पूरी छत पर
नर्स कंधे हैं जो हमारे छत छत की
आस में बाहर बाहर आने
का फैसला कर रहे हैं।

हम संजय
हैं वही है ना ही है।
इसीलिए हम छत पर
तभी उतरेंगे।

क्यों क्या
करना?

यही है वह इमारत
जिसके बाह्य टॉवर की छत से
सोमवती में छत पर नागराज मोड़ है
बाह्य टॉवर में नागराज के भाग लक्ष्य
है। इस रेडियोस्टेशन का पता
एकदम सही है।

पर बाह्य टॉवर इस
इमारत की सुरक्षा में किता कसेब
ने अपनी पूरी शक्ति जोड़ रखी है। बाह्य
बाह्य पर लक्ष्यशक्ति किता आमी
के सहायक मोड़ है।

और इसकी
सुरक्षा प्रणाली में हर
उस शक्ति की कान मोड़ है
जिसका उपयोग इन्टरनेट
आपस जाने प्राप्ति कर
सकते हैं।

हमारा कार्य समाप्त
हुआ। अब आगे की योजना
शान्ति पुनर्स्थापना करनी है।

यह

आपका आइडिया
समझाया। बस पानी
जरा लुका है।

अब तुम यहाँ बैठा रहो
क्यों आमी को खतरा करने का
नहीं है। यह फैसला, बस यहाँ हैं
उसको खतरा करके,

वापस आना है।

हम इसी को करने हैं
मजदूर में छाड़कर भाग लेना,
छत को उड़ा पानी है और ऊपर
से नीचे रहना है।

मैंने जानें का
चिन्त की थी, वहाँ
की जगह।

हम



क्या क्या हुआ? तुम ईश्वर को खो गए?

आगे तरफ, पर गुरुद्वार पर अवश्य हीबारे छाड़ी है मैं पता नहीं क्या, उनका पार नहीं जा पाया और मुझे झलका भी मिला। उस झलका ने मुझे वापस भोग दिया।

मुझ भोजन का मौका देने को ये लौटन लगी थी।



मैं पाले इस इमारत का पहचान नहीं पाया था। क्योंकि मेरे समय से इसमें काफी बदलाव हो चुका है। फिर मेरी याददाश्त भी कमजोर हो रही है।

तुम्हारे समय से क्या क्या गय है?



ये इमारत मैंने बनवाए है। पहले ये मेरी कर्मिका का प्रशिक्षण करने के लिए बनाई थी। बाद में कारण बनता पड़ा और मैं इस प्रकल्प में लगे लगे आता हूँ। इसमें अंदर जाने का एक ऐसा रास्ता है, जिसके बारे में पता चलने लगे नहीं आता।

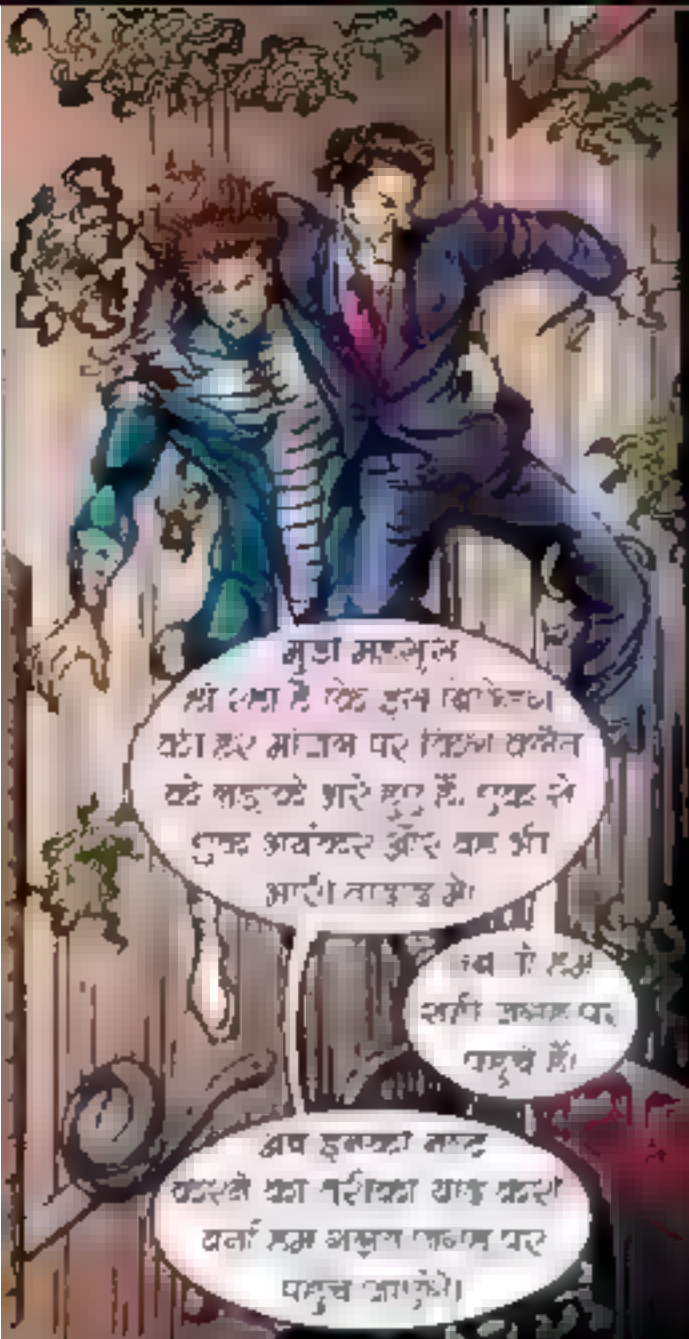


ये एक अनपेक्षित क्षण है जो बिफन के लिए बने हुए था। पर इसमें बिफन नहीं लगी। इसके बाद पल्लव पर जाने के लिए बरखा जैसी है। पर ये बूँदें पैदा से इतने रहते हैं।

इसके ऊपर काई अपरोध नहीं मिला क्योंकि कोई इस राज्य के बारे में जानता ही नहीं है। नोट नो डनो

सड़ने की आवश्यकता नहीं है।

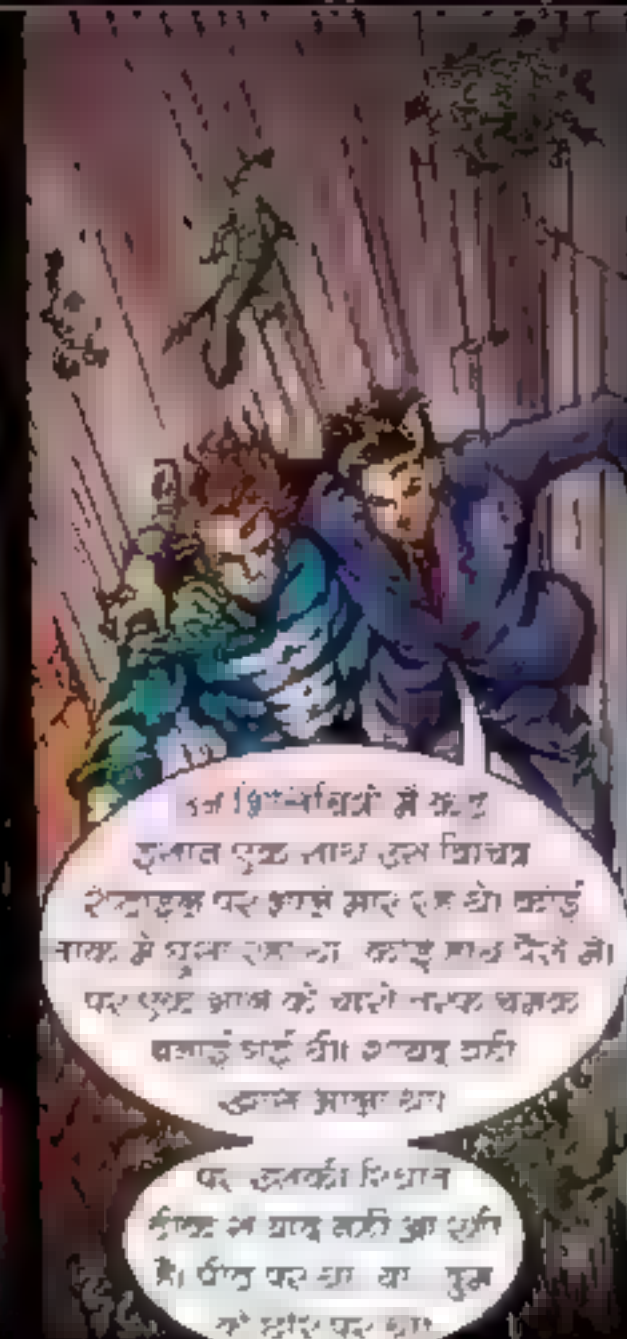




मृदा मण्डल
में रहा है कि इस विशेषता
का हर मांस पर विश्व कर्मों
के लड़के शरीर हुए हैं। कुछ से
कुछ अवसर और वह भी
भारी ताकत से।

वह तो हम
सबि जगह पर
पहुंचें हैं।

अब इसकी ताकत
करके का तरीका यह करी
वर्तन हम असुर जगह पर
पहुंच जायेंगे।



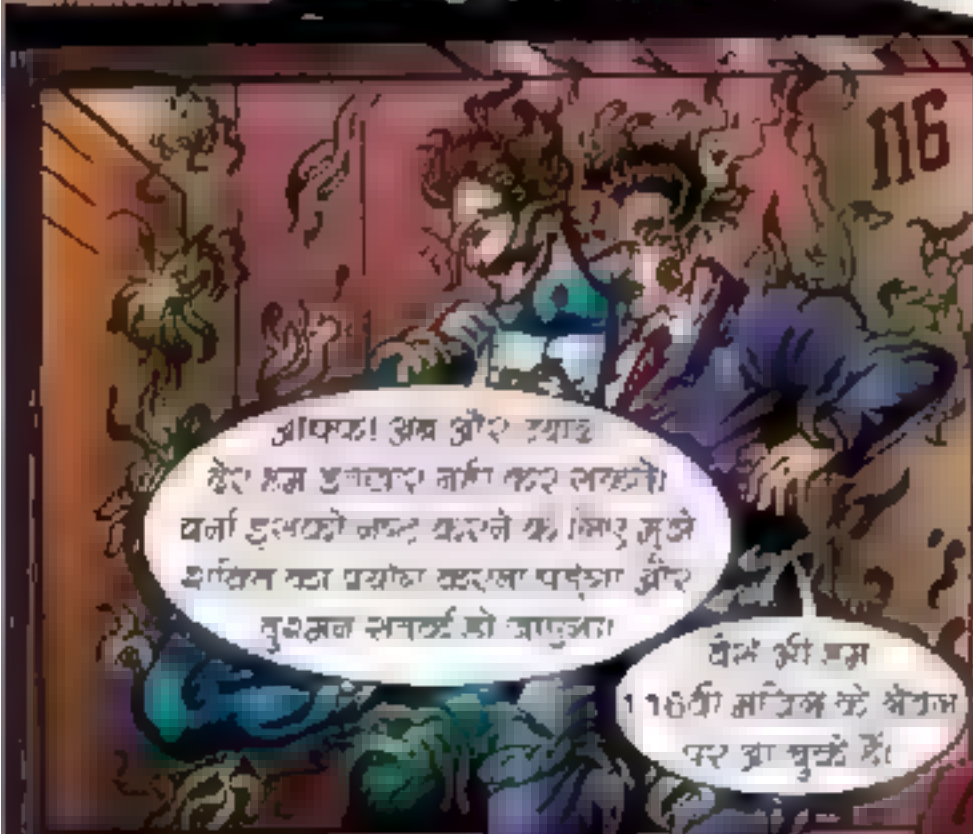
उन विशिष्टताओं में कुछ
इसलिए कुछ ताकत इस विशिष्ट
रचनात्मक पर जगह मार रहे थे। कांड
नाक में घुसा रहा था। कांड मार रहे थे।
पर कुछ जगह के चारों तरफ घूमकर
बनाई गई थी। अचानक उसी
काल आकाश।

पर इसकी विशिष्टता
हीन न था। उसी आ रूप
है। वीर पर था या तुम
को हीर पर था।



आपका यहाँ तो दीवारों
पर धमक रहे थे छोटे छोटे जगह की
हम पर अटके कर रहे हैं।

बहुत दौड़पट से तुम ही।
तीव्र पलकन। वही दौड़पट पर
ही चिपक रहे हैं। जगहों की ताकत में
आयतन इसकी बड़े बड़े ताकत की
विशेषता मिली है।



आपका अब और दया
केर हम इसकी ताकत कर लेंगे।
वर्तन इसकी ताकत करके का लिए मृदा
असुर का प्रयोग करके पदार्थ और
बुद्धिमान सचकई को जायेंगे।

वैश्व ही हम
116वीं मंजिल के शीर्ष
पर जा चुके हैं।



हीन है। पहल
रिश्ते का आपका मोजा और
उसके ताकत मोजा।



Allack



उनके मित्र धनराज
मेमोरा अब इससे पहले कि
किन्नी का हमारे पास सेंज की
अनन्त अदो में लाकराजको
यहां से ले जाऊंगा।

ना उन्हें लाकराज
वाली हल नहीं जहाँ पर
पहुंचे।

लाकराज यहाँ पर तो
किन्नी कभीत कदा कोई भी रक्षक
मौजूद नहीं है। आश्चर्य।

रक्षक! यहाँ।
क्या पसल है? लाकराज
बाहर जा नहीं सकता और
अगर कोई आ नहीं
सकता।

येन ही
सामान्य रूपसे मे उम
हमि नक पहुँचने के लिए नान
भियोरिटी चेकन को पार
करना पड़ता है।

मे तुमको छोट
सलने से नहीं जहाँ
नक से आया।



फिरा कहेज का
हला मे के मित्र में तुम
कोना को सुरक्षित स्थान नक
पहुँचा कर यहाँ वापस
आऊँगा।

ये ये क्या?
मेरी अस्मिता निर्भर
क्यों हो रही है।



धीरेज रहो
अनन्त। अन्तर्गत कक
कहेगी। अन्तर्गत कहेगी।



मैं कत पक
मेरी।



तुम तुम
के किन्नी कहेज का
मेमोरा हो।

अन्तर्गत

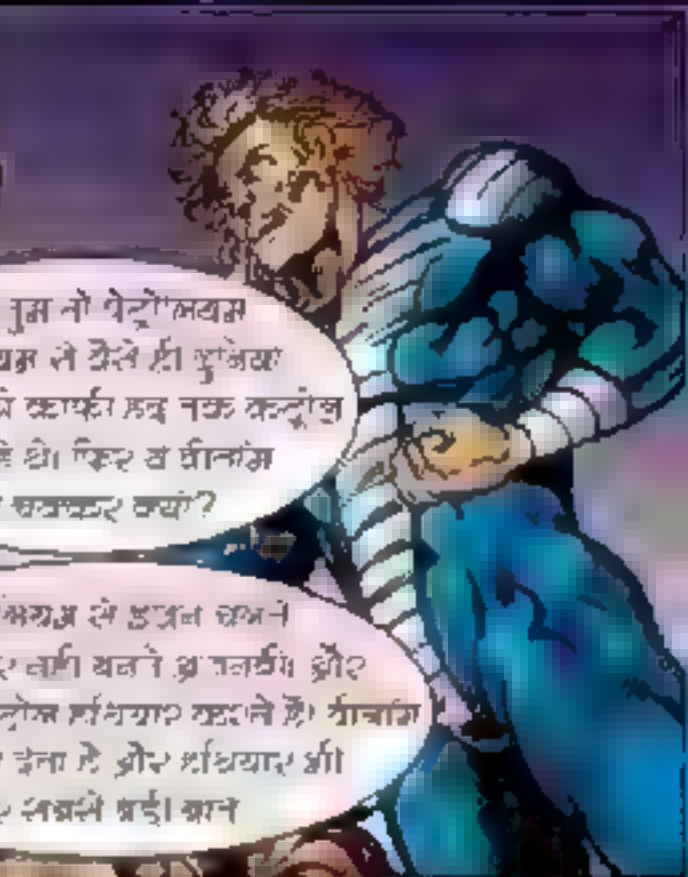
ना फिर
अन्तर्गत मेमोरा
कहा है?



मैं ही वृ अलसी मेसाथा
मम लवियों से मानवों के बीच में
उभने आए हैं और ममन कछमहारी शक्तन से
उन स्वर को वा लुका है ममनके कालन
ममको इच्छाधारी लान ही लीं
पहचान सकते।



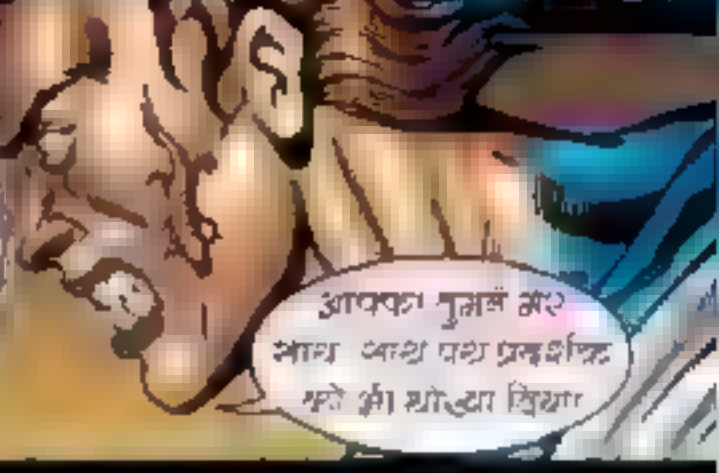
फिर तुम नो वेदोमयम
के माध्यम से येसे ही बुनिया
की ऊर्जा को काफी कम नक कन्दोस
कर रहे हो। फिर व चीनाम
का सचकर क्या?



पदोमयम से डरन बनने
हैं, मरियार ली बनने व लकी। और
बुनिया को कन्दोस मरियार कर रहे हैं। चीनाम
ऊर्जा ही देना है और मरियार भी
और लकी बड़ी बान



म लय के लय
साथ ममारे परम बुद्धम
इच्छाधारी लयों का ऊपर
कन्दोस ही देना है। मात्र किम
कलेम इन बुनिया का निर्विवाद
शानक है वो 'मिर्क चीनाम'
की ऊर्जा के उस पर।

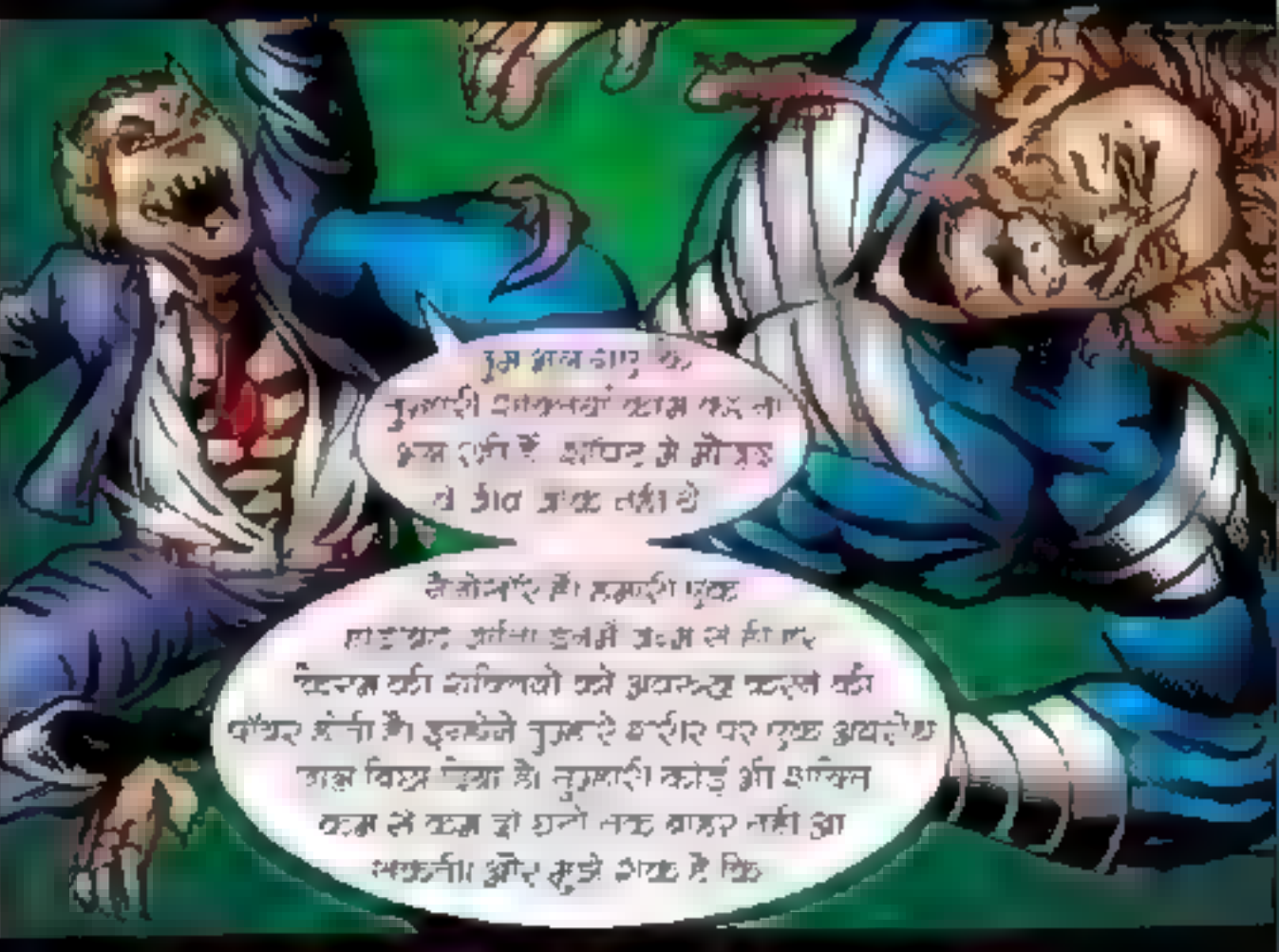


आपका तुमसे मर
साथ साथ परम प्रदर्शक
को ही थोड़ा विद्या



यह है तुमारा परम
प्रदर्शक लय में येसे लया
छोटा लय और अलसी लय
कमाल मरे वादगीकयम का
ही है। लय में अलसी को
कमले की कला।

यस में रका का
और मुन रहे थे तुम इनके
माध्यम से। ममारे लामने तुम ओज
मर कदम पर मेवकक लय
हूँ, अलसी।



तुम शायद नाप के
तुमारी ममनका काम कर ना
भय ली हैं शायद मे मौर
व हीव जक ली है

ले सोनर है। ममारी लय
माध्यम लीना इनमें जल ल ही मर
केरम की लकिलो को अवलोक करन की
वॉयर ली है। इनके तुमारे बरीर पर एक अवलोक
जल विद्य ली है। तुमारी कोई भी शक्ति
कम से कम दो घन्टे तक बाहर ली आ
सकती। और मुझे जक है कि



मयने मड़ी मेवककी
ने तुमने की है मुझे अपने मेव
कवार्नर के बीचों बीच
में पहचान





..क नु हा
मिनट तक भी जिंदा रह
पाएगा। अब पहले न युवा
आगे बढ़ेगा फिर मरेगा।

इस वक़्त सिर्फ
न ही हमारे पास सच है
बल्कि और कुछ मात्र
रहता है।

परतु मानवो के पास ये मानवता नहीं है।

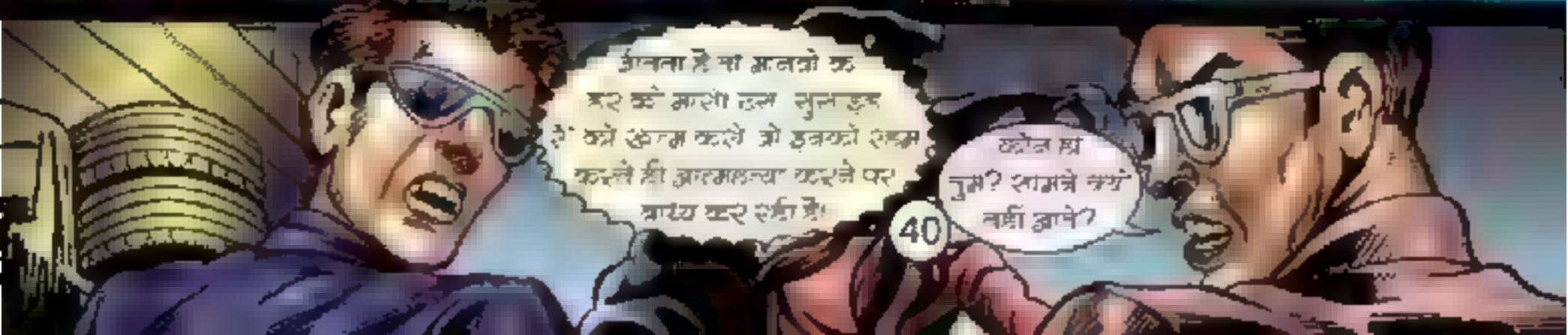
बा बा बा
हे नु? क्या करे दोन
कोर भी है?

अबतही जब तक जिंदा था तब
तक उनका युवा न बने।

इसका अर्थ यह है
कहेंगे कि ये न मानवता
है कि नहीं। हमारी
मन करे।

मुझसे सब कहें
तो आसानी से ही लोग
आपकी मुझसे सब कहें में हर तरह
से न है। मुझे माफ़ करो, आर्ज
में मानवता है।

आपका हम संख्या न
कम है। हमको जिंदा के लिए
मानवो की सब था।



अबतही जब तक जिंदा था तब
तक उनका युवा न बने।

कोन है
तुम? हमारे क्या
नहीं आपने?



मैं तुम्हारा मित्र
हूँ। युद्ध प्रीति है जो मेरा
विश्वास करे।

तुम पर 'वडगा'ल
करले का सकारे पाल कोडू
कारण नहीं है।

नो मुनो! वादा फका।
यवैल का सकारे अमिच्छ है। भांज
मी इमकी अमिच्छ है और 'वडगा'ल
कम नोरे। इमको कम नोरे
करले के लिए चाहे।

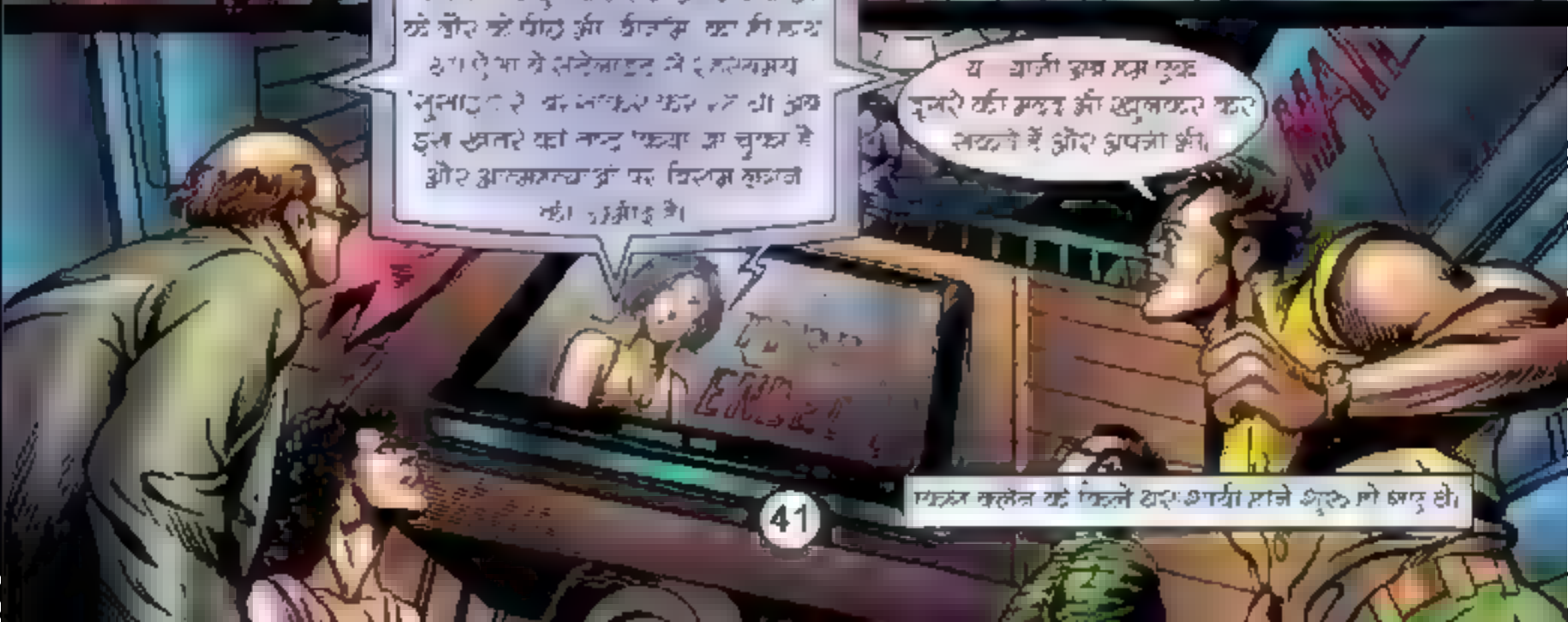


"वार्ता!"

"अब अंतर मुझ पर बर्काने हो गया तो चलो!"



"तुमको भुलाने है कदम नदर को नदर की करता है और परी तुमका का इमकी सकार की वही है."



अज्ञान वृत्ति के कारण मैं यह पता
चला है कि तुम्हारा से अतिसमस्याओं
के दौर के पीछे ही अज्ञान का ही कारण
है। मेरे समेताने मैं देखता हूँ कि
'मुन्ना' के वरिष्ठता के कारण ही अब
इस स्तर की नदर 'क्या' का चुनने है
और अतिसमस्याओं पर विश्वास करना
है। उम्मीद है।

य वार्ता अब हम एक
दुसरे की मदद की खुलकर कर
सकते हैं और अपना भी।

महान कलेन के मिलने ठहरा दिया जाने शुरू हो गया है।

परंतु हमलया अमी और बरकरार थे और खतर भी।

अगर डली ने हमला
रुकाया है तो अजब की बात
और खतरों में लगी।

होती नहीं, है।
मेरा दूसरा रूप हमले
इससे भी बड़ा है पर तुम
अपने खतरों को धरें
में लगे हो।

यह तो सब कुछ
तुम्हारे लीक होना क्या
कि आपका विश्वास है। पर
तुम्हारी तुम्हारे को हमला
बंद करती है। पर
कभी नहीं।

किस का
सुझाव है। तुम्हारे में भी
पलक नहीं है।

यह आया हमारे
कदमों में नहीं है और फिर अब
उहाँ स्थिति सब भुका है। मेरे पास
निकट कुछ नहीं है। यह सब
मानवता एक कम तुम्हारे
एक लड़का है।

नम्र नहीं है।
यह सबकी परीक्षा लुप्त
। एक ही है। एक ही है।
एक ही है। एक ही है।

यहाँ

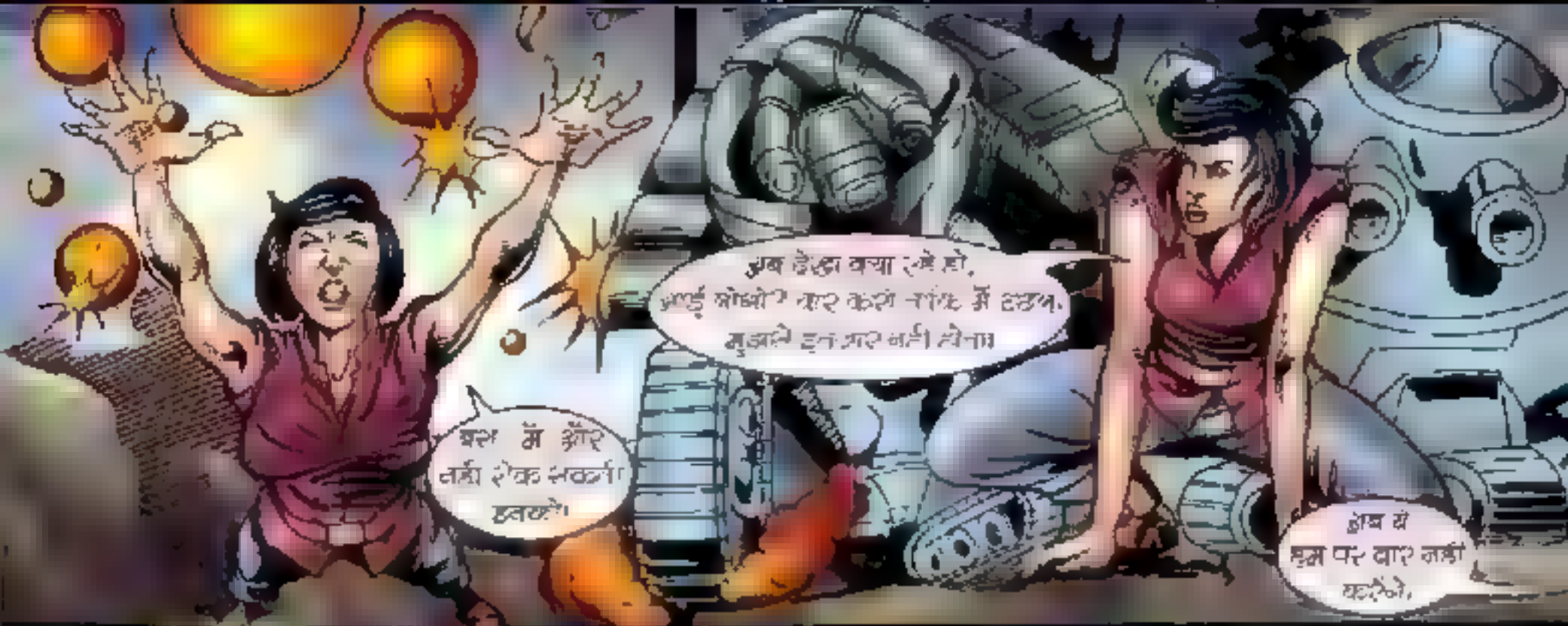
अरे मेरे पास इसकी
दुखित नहीं है। लेक गलती
तो भी सब कुछ लेक लेक को लुप्त
हमले का लड़का वे को
नहीं है। नहीं है।

उम्माक अब
क्या करे? कोको,
विशेषी या हमारे करने
के बड़े लड़के।

नम्र नहीं।
और लड़का को लुप्त
का लुप्त सब और तो पर
नहीं है।

हले लड़को मेरी।
नम्र नहीं। लड़का लुप्त
नहीं कर रही है।

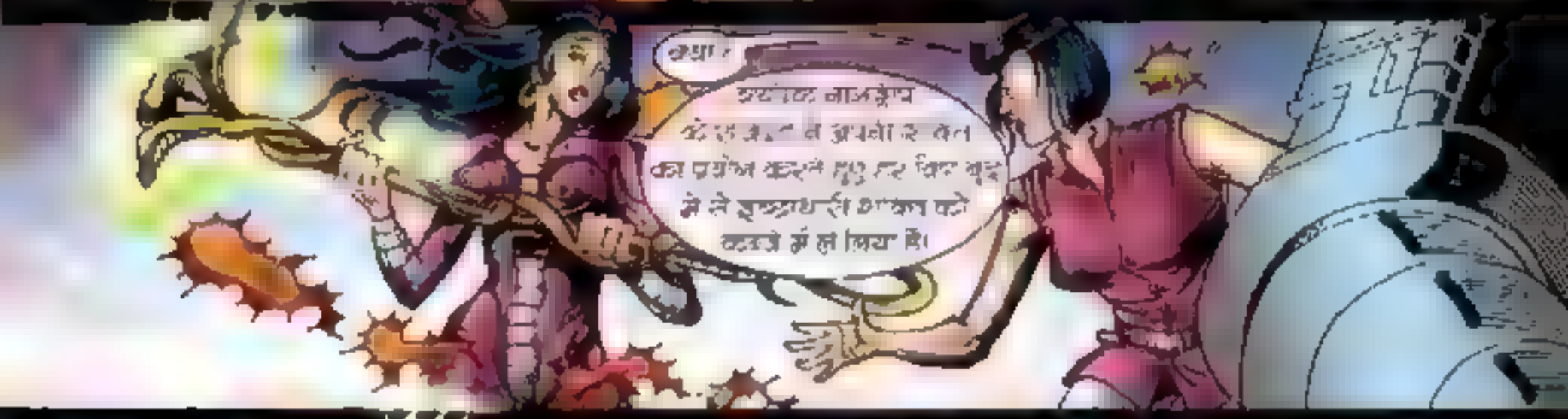
अब तुम ही लुप्त
लुप्त लुप्त। अलखर
ये आया भी तुम लुप्त का
लुप्त लुप्त है और विश
और लुप्त है।



अब देखो क्या रहे हो,
आई सोझो? बार करो नाई में दखन,
मुझसे इन बार नहीं होना।

बस में और
नहीं रोक सकती
हवाको।

होय ये
हम पर बार नहीं
करेओ,



कथा -
अपनाक नाजकाम
के लक्षण व अवरोध को
का प्रयोग करने हुए हर विषय बुद्ध
में से इच्छाधरी शाका को
कहते में ल लिया है।



अब ये नाजकाम
की हमारे कहते में है
चौर मेमोरि की।



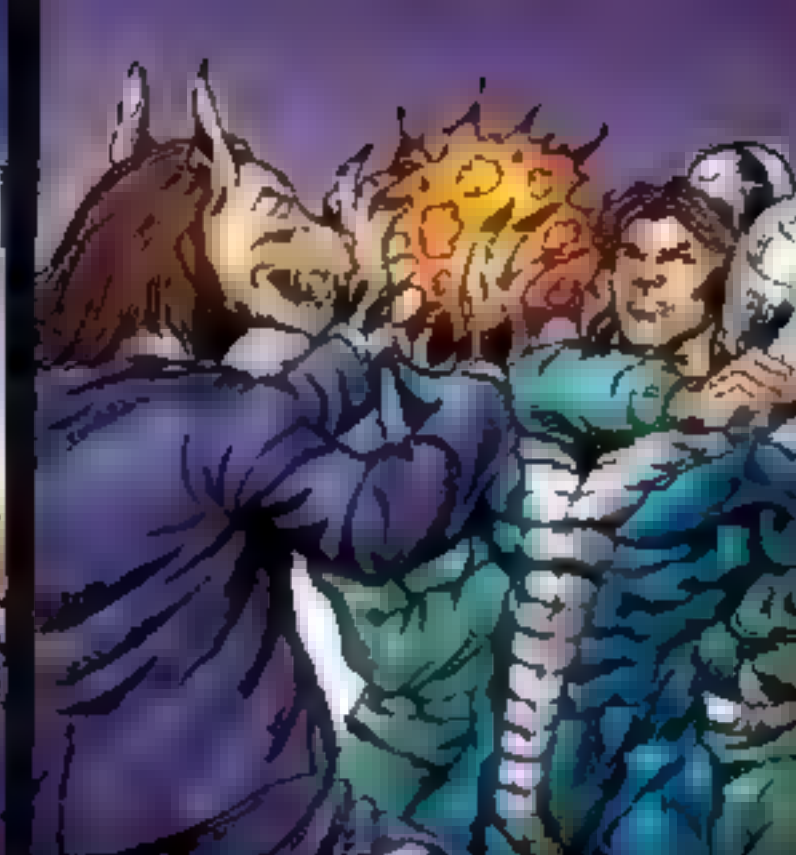
मुझसे कहते
मे कुछ ही जमी है
महलेशों,

महलेश



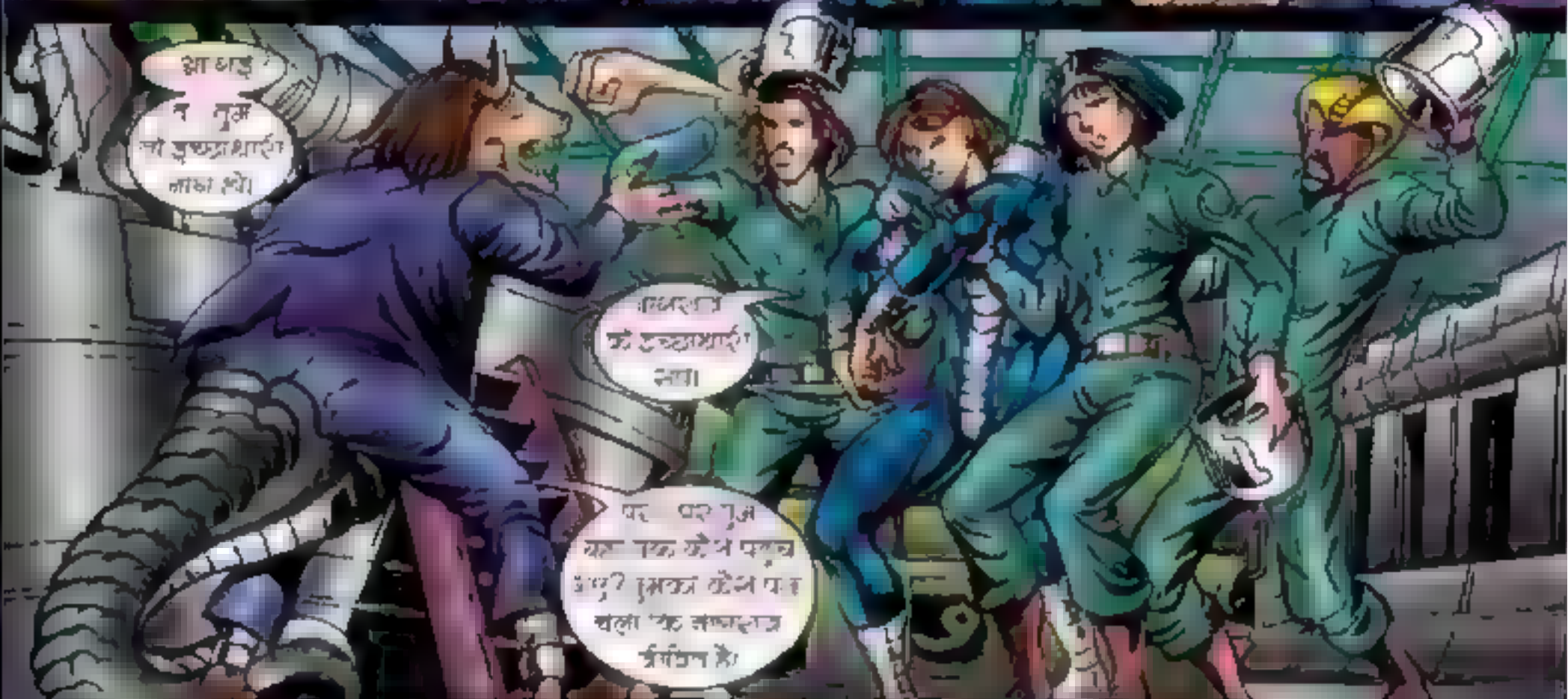
इसकी नज़रें

अस इन्हीं अंशुलता।
छोले गुस्सारे विराजत की मणि
कलेजा और गुब्बान की
मोहर चाबू मोहरा।



म 505A

ये क्या?
अजनबी में गुस्सा
गुस्सा इनकी आवा
कैसे



आ धड़
न गुस्सा
को इच्छाशरीर
नाका हो।

अजनबी
को इच्छाशरीर
नाका।

पर पर गुस्सा
यह एक कोन फल
है? गुस्सा कोन पर
चला एक नज़र
प्रमाण है।



गुस्सा अहंकार आवाज
के हल्ले मलाया। लर्न वे प्रेम्स
गुस्सारे सेटलाइट सुलाइट रे का
दिकाना बना कर हमें इनको
कट करके का मोका दिया।



अ अहंकार
आवाज पर मेल न
करु नहीं।

अस अहंकार
गुस्सा, मिस्टर हैमिश, यानी
गुस्सारे नाम है न?



हा और
जानने ही क्या है
मेला ये जाम?

इलाज!

और मुझे ये
तो वार चुक कर रहे हो
ये चुकानी क्या बाकियों को
कारण है वे पैस की मुझ
पर झुकर लगी करली

हाल इस
स्थिति हुआ है।



शाखाज मेमारा!

इलाजमुझ और
शाखनी जान है
अब हम
बाकी पूरी सराफ ल
जान चुके हैं।

"चाहें दुनियावालों से सम्मान रहे कि वे जान रहे हों।"

"पर सचचाई तो ये है कि इस लोक पर हमें पना हमारे पास है।"

हमारे घर बाबा भोज
पना है। पर दो बच्चे अभी
भी हमारे लिए खाना
नहीं लेते हैं।

हमारे दो बच्चे
कहते हैं कि हमें पना न पना
पना है। और दूसरा

दूसरा बच्चा।

दूसरी घर उध-य
आकाश है। जिससे हमारे
के भोज के भोजन से के कष्टों
में हमारे घर के और भाग्यवान् के
जीवन में और वहां पर हमें
का पना भी दिया।

वह जो भी जीवन में,
हमारे घर के भी नहीं है। वहां
अच्छे कष्टों न रहतीं। हमारे
भी हमारे जीवन में।

पर पनाले इस
दुनिया के यह क्या दिया
आपु कि हमारे भी वहां पर
हमारे घर के भी कष्टों का
कोई फायदा नहीं है।

क्योंकि हमारे।
कुछ वहां तक नहीं
नुरा नहीं।

अरे ये ये
कहते हैं कि हम
ये वहां हैं।

उत्तम और भी
मन भी नुरा।

मरी वहां से कुछ फला है
वहां का भी वहां रहा है। कोई
कोई और जीवन में वहां पर? कोन
को लोका में ये भी हमारे भी वहां नहीं
आ रहा है। ये उत्तर नहीं है।



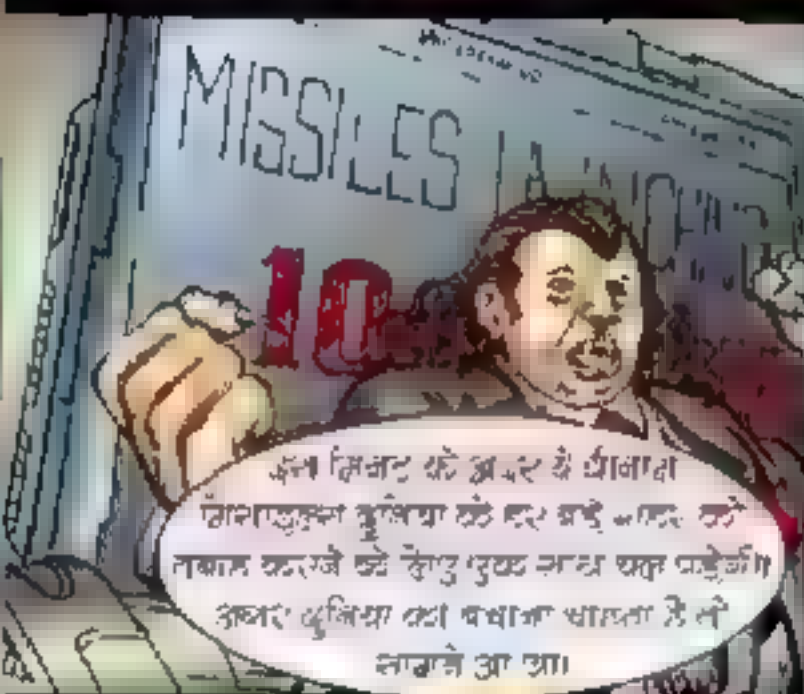
सही प्रकारे
कहते हैं हैं। अब तो
एक ही ऐसा क्षण बचना
है जो हमारे चुनौती देने का
सामना कर सके। वेदों का
यह अंश उक्त क्षणों
तक आया है

अपनी ही
नज़रों से
आ रहा है

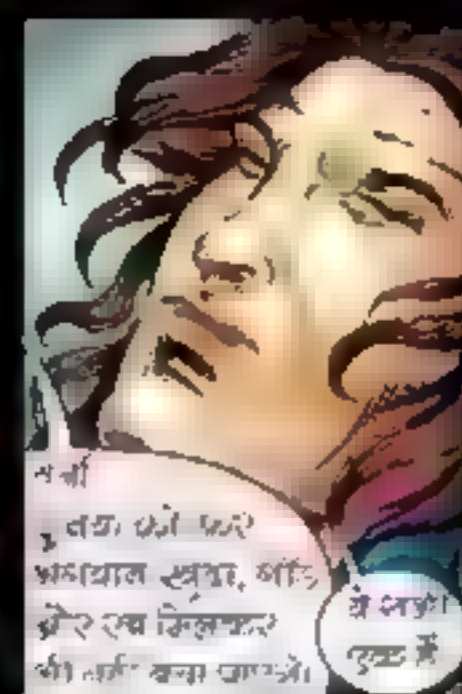


वे हमें रोके
वही सच है। मिनट भर
दरम्यान के अंतर्गत हमें
मोहना नहीं है।

मिसाइलें फूटती-फूटती
जा चुकी हैं।



अब मिनट के अंदर ही आगा
मिसाइलें फूटती-फूटती कर
नकार करके के कोणों पर
अब फूटती-फूटती कर
सामना आ आ।



वही
वही को फूट
भयानक स्थिति, और
और एक मिनट
की तक बचाना पड़ेगा।

वे अंधा
हुआ है



वे
कहा?

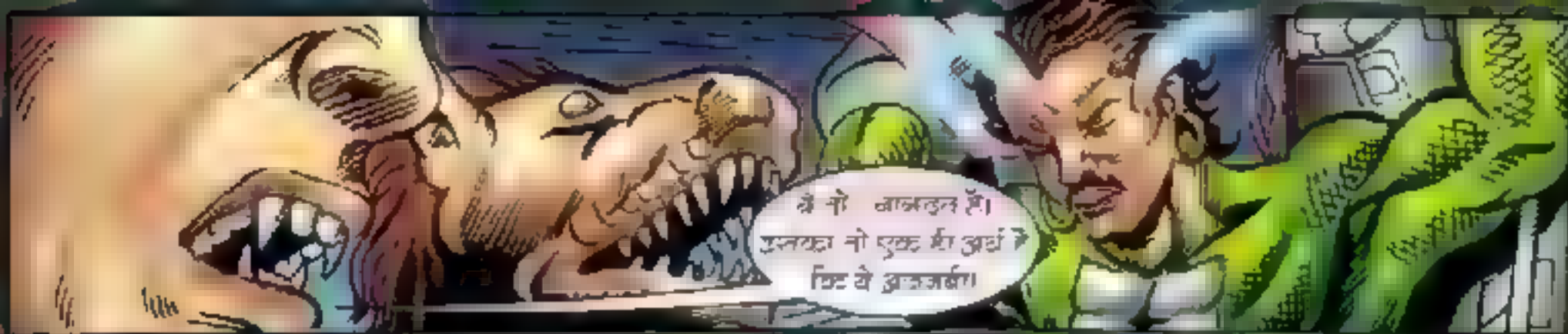


मैं ही
सब कुछ हूँ।

ये नाजिश्वर के
अज्ञान, अज्ञानता के अंधारे
में क्यों लगे रहे हैं?



विक्रम, नाजिश्वर
को देखो। उसके चेहरे को
कम हो रहा है।



ये तो वाकई है।
इसका तो एक ही अर्थ है
कि ये अकर्मक।



वाकई है।

ये वाकई है वन
रहा है। इसका मतलब यह है
की वन में वाकई वन का
पद है। इसका मतलब यह है
की ये ये अकर्मक नहीं
होता वाकई।



वाकई है।
इसका मतलब यह है
की वन में वाकई वन का
पद है। इसका मतलब यह है
की ये ये अकर्मक नहीं
होता वाकई।



इसका मतलब यह है
की वन में वाकई वन का
पद है। इसका मतलब यह है
की ये ये अकर्मक नहीं
होता वाकई।

यह तो वाकई है।
इसका मतलब यह है
की वन में वाकई वन का
पद है। इसका मतलब यह है
की ये ये अकर्मक नहीं
होता वाकई।



इसका मतलब यह है
की वन में वाकई वन का
पद है। इसका मतलब यह है
की ये ये अकर्मक नहीं
होता वाकई।

ये तो वाकई है।
इसका मतलब यह है
की वन में वाकई वन का
पद है। इसका मतलब यह है
की ये ये अकर्मक नहीं
होता वाकई।

तुम्हारी 'मुल' इन्हें
 'रे' के बारे में मुझे अभी
 अभी सौहार्द से पता चला है।
 तुम्हीं के कारण मुझे ये पूरी
 योग्यता रखनी पड़ी।

आपकी प्रत्यक्ष निगरानी
 के तहत इसका के कारण ही मैं
 इच्छाधारी कला में घट चुका था और
 यहां पर तुम्हारी उपस्थिति का आभास होने ही
 मेरे कल्याण के कारण मैं बहुत इच्छाधारी
 परिवर्तित करके तुम्हारे साथ
 होना पड़ा था।

मैं जानता था कि मुझे रात्र
 के रूप में धारण और सातवें की काटोडा
 लक्ष्य की आधुनिक दुर्लभता में तुम्हीं के बिना
 अपने आपको लेभक सिद्धांतों पर करके कुछ खास निर्वेश
 है कि, थे। जिससे एक नए रूप को धारण करके 'रे' का
 आत्मता का प्रभाव न करेगा और हर कीमत पर
 भव्यप्रकारियों वाली नम्र नक पशुपति
 के निर्वेश शक्तिशाली हो।

उसके साथ लेभक
 'मनोविज्ञान' के कारण मैं खुद ही
 अपने बारे में सचमुच भ्रम डाला था। मेरी पक्ष
 प्रतीक निर्यत व सकारण्य रात्र की 'रा' या 'न' मेरे
 करीबी भाषा से मुझे एक आरंभ की या
 फिर मेरे जालन लगी थे।

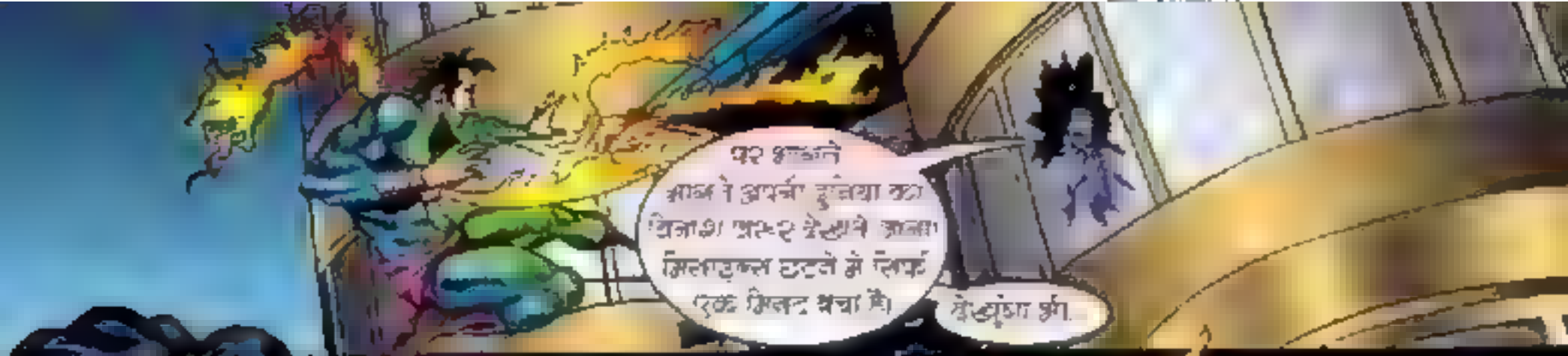
और मेरी लेभक
 'मनोविज्ञान' नहीं दुर्लभ की प्रव
 में धारण्यक दिग्गों के मुख्य
 सिद्धांत नक पशुपति आना।
 जैसे कि अब।

पर अब कुछ फायदा
 नहीं है। लक्ष्य 'रा' न चले कि नक
 'न' मे फल लया है अब हर मातृपु पर मोक्ष
 किता वनेन अभी के लक्ष्यों लक्ष्य
 यही पर आन वक्त है।

और अपनी सारी
 शक्तियां के साथ प्रव
 ही न उलझे 'प्रीत'
 लक्ष्य लक्ष्य।

मैं जानता हूँ।

हां हाँ, अब तो लेभक
 दुर्लभता में घटकर भाषा का और
 न कर ही सचा सकता है।



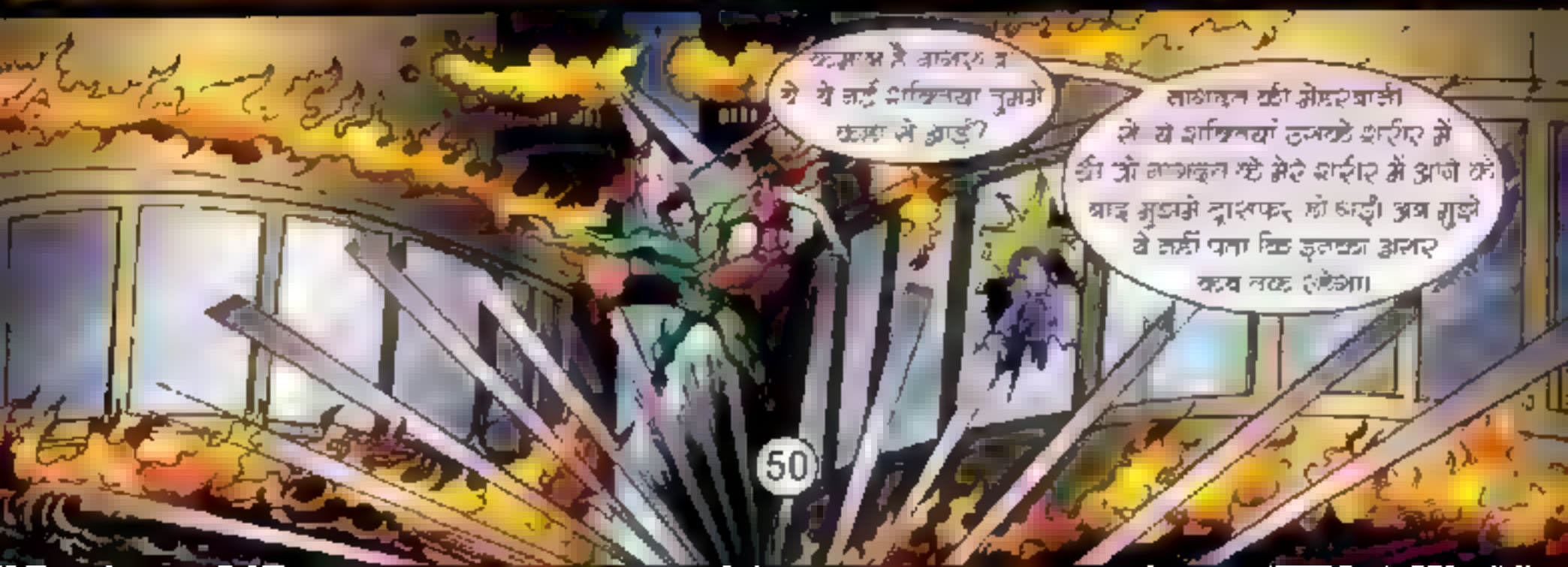
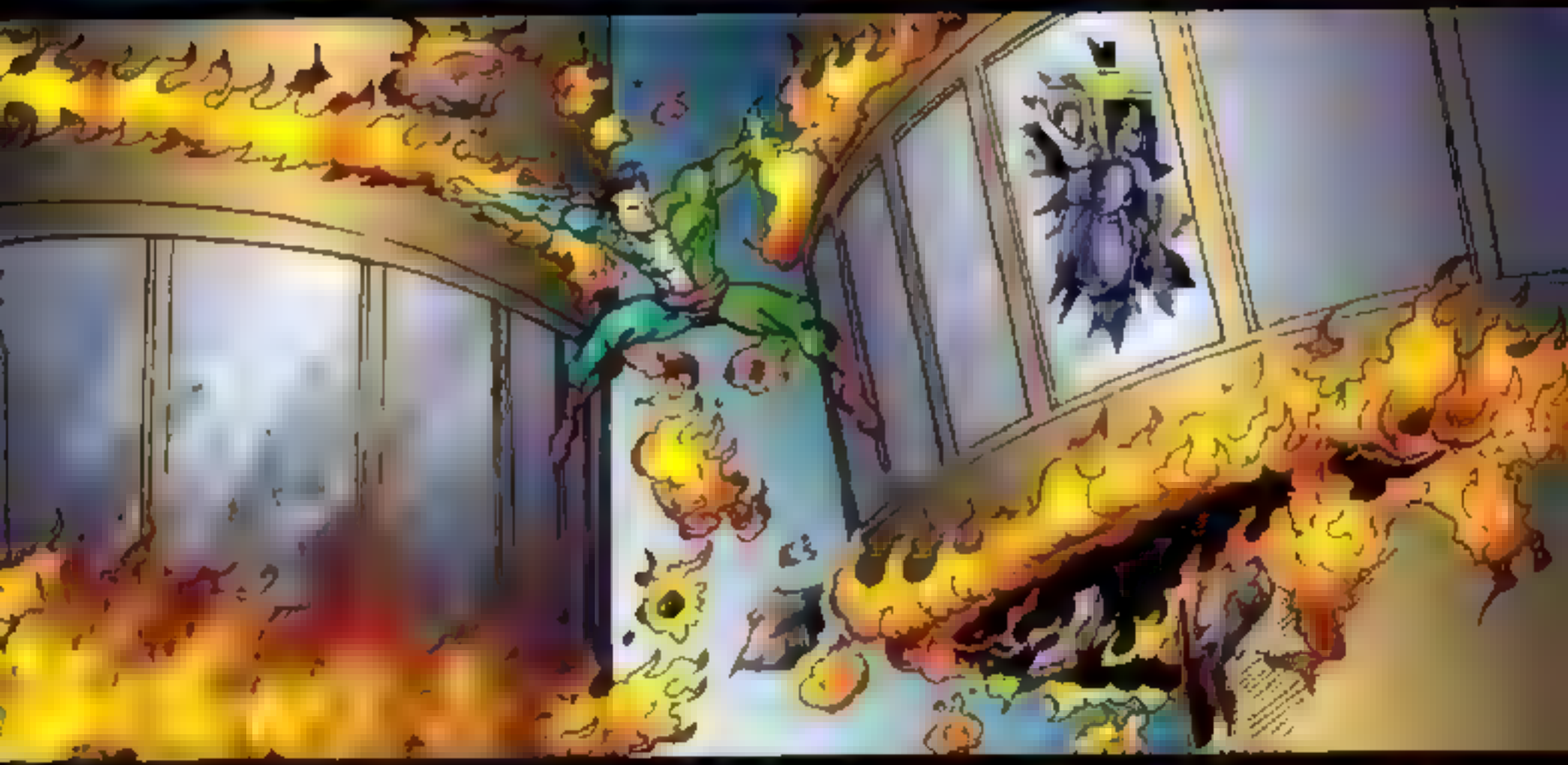
पर शाकल
शाम ने अपना दुनिया का
बिनाश। प्रकृति के साथे जलना।
मिलानुसार बदले में लिफ्ट
एक मिलन बना है।

वे लुंछा श्री



और
बिना कला श्री

गले बड़ी बनने के
बाद मेरे शरीर पर लुंछा शक्ति
इसरेथ मर चुका है।



कलाश है लुंछा व
मे ये लुंछा शक्ति का तुमने
कला से आर्ड?

लुंछाश का मोटरवाली
से ये शक्ति का लुंछा शरीर में
ही ओ लुंछाश के मेरे शरीर में आने के
बाद मुझे दाखल हो लुंछा अब मुझे
ये लुंछा पता कि इतना आल
कल तक लुंछा।



चिन्मय को बहुत
बुरा नीर से हो निकल कर ले
है, इन पहर में कोई लड़ाई के
बातों को उनका गिरा कापल
दिखाता है।



और इन चीजों में
मिलानों को आसानी से
पहुंचने में सक्षम है



यह दुर्घटना
मिलानों के अपने ही गिरा के
बादलों को एक एक कर
कर लगे हुए है



और इनमें
आप आप में एक
कमरे को लगे कर देना
उन पर बहुत कर ले
गया से से कभी कभी
तभी आ पाएंगे।



पकड़ा तो अभी
भी हमारे ही धारा है,
तो आसानी।



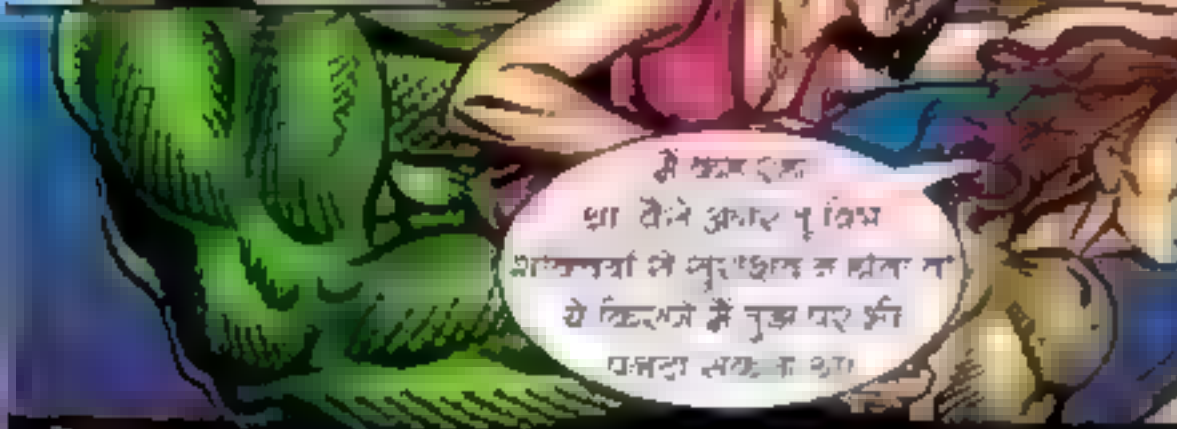
अब फैलना लगे
मेरे और नर शत्रु में लड़ाई
बायलान्त न मे लन्हा का जलन
बड़ा लन्हाबाधक और मे हू
दुनिया का लन्हा बड़ा
महाबाधक

नो शत्रु
मेला, उल्ला दुनिया
का लन्हा



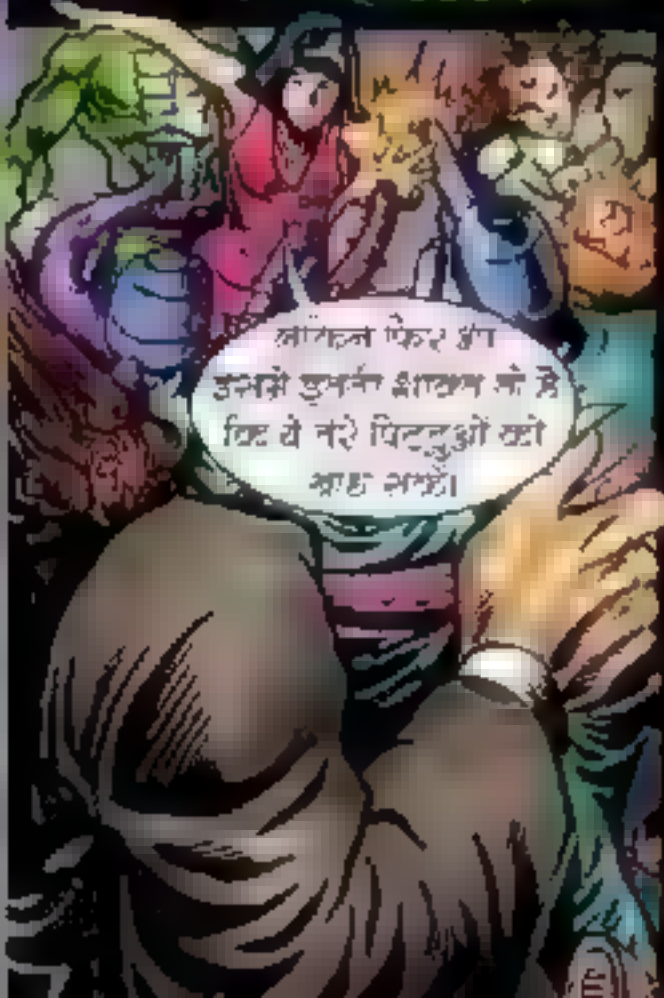
मुला है न
मुला है न
मुला है न

मुला है न
मुला है न
मुला है न



मे लन्हा
मुला है न
मुला है न

और मे लन्हा
मुला है न
मुला है न



मुला है न
मुला है न
मुला है न



मुला है न
मुला है न
मुला है न

मुला है न
मुला है न
मुला है न



मुला है न
मुला है न
मुला है न



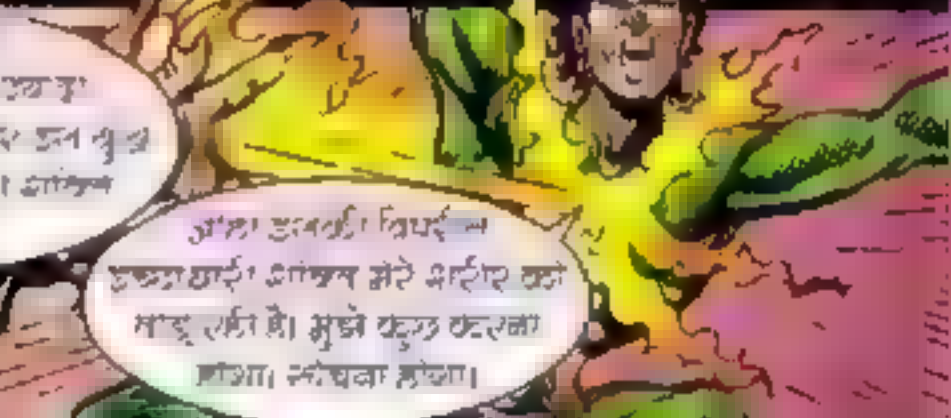
मीन साधू को
जिह्वास आया। अब मेरे
शरीर में अकार इच्छाधारी साधू
बसे श्री साधू को जिलनी की। और मुझे
ये भी पता है कि मैं अपनी इच्छाधारी
आत्मन का एक बड़ा साधू
हूँ। मुझे है।



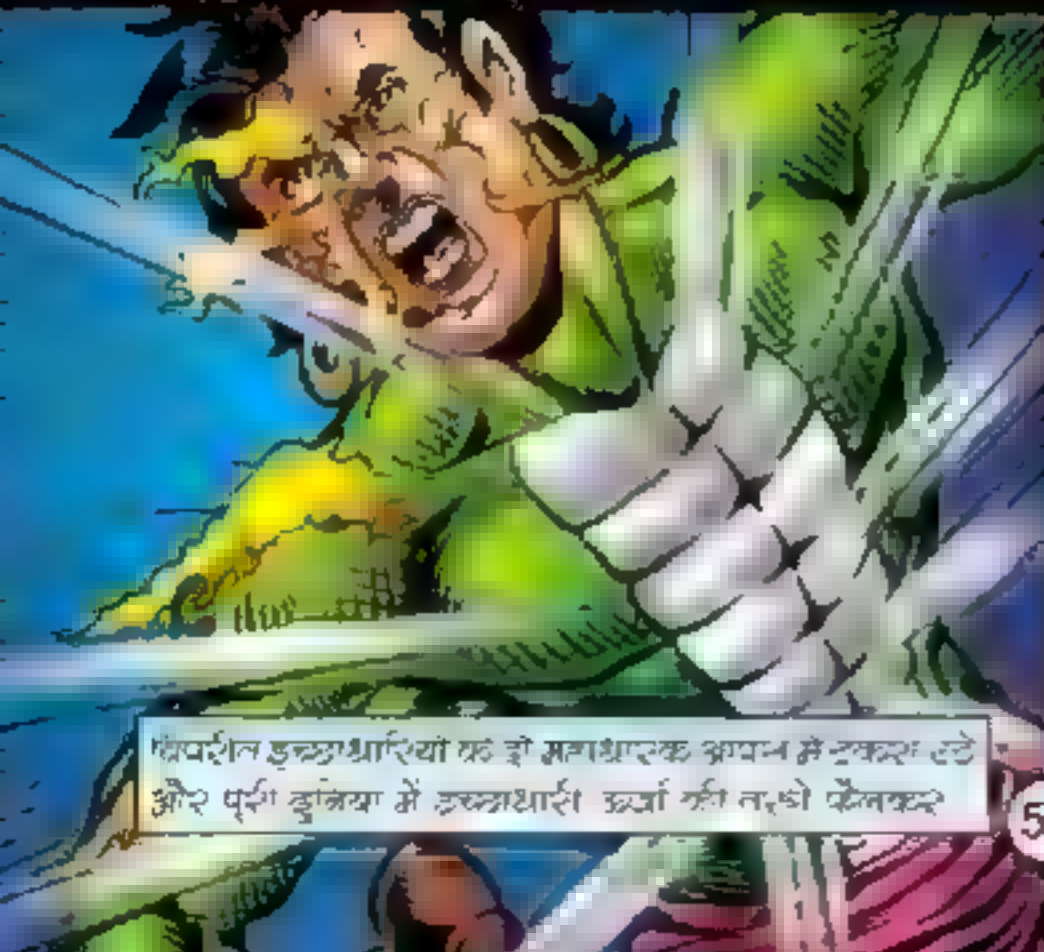
पर मेरे शरीर में
इच्छाधारी साधू बसेन की
गया। बड़ा रही है। मेरे शरीर में
मेरे शरीर में ये सभी मेरे
शरीर में बसेन है।



अब मेरे शरीर
मुझे साधू का एक बड़ा
इच्छाधारी साधू है और मैं मुझे
का साधू इच्छाधारी साधू
है। मुझे है।



अब मेरे शरीर में
इच्छाधारी साधू मेरे शरीर में
बसेन है। मुझे बड़ा बड़ा
साधू। साधू।



विपरीत इच्छाधारी का ही साधू साधू साधू में बड़ा बड़ा
और श्री साधू में इच्छाधारी साधू की नदी बसेन है।



मुझे बड़ा बड़ा साधू साधू साधू साधू।

आपका साधू साधू साधू
की साधू साधू साधू साधू
को बड़ा बड़ा साधू है। मुझे
बड़ा बड़ा साधू साधू।

पर हम
नो साधू में हैं। अब ये
बड़ा बड़ा साधू

प्रधान साधू
साधू।



विपरीत इच्छाधारी शक्तियों की विद्वेषों चारों तरफ फैलकर पृथ्वी को अपने आगोश में ले रही थी।

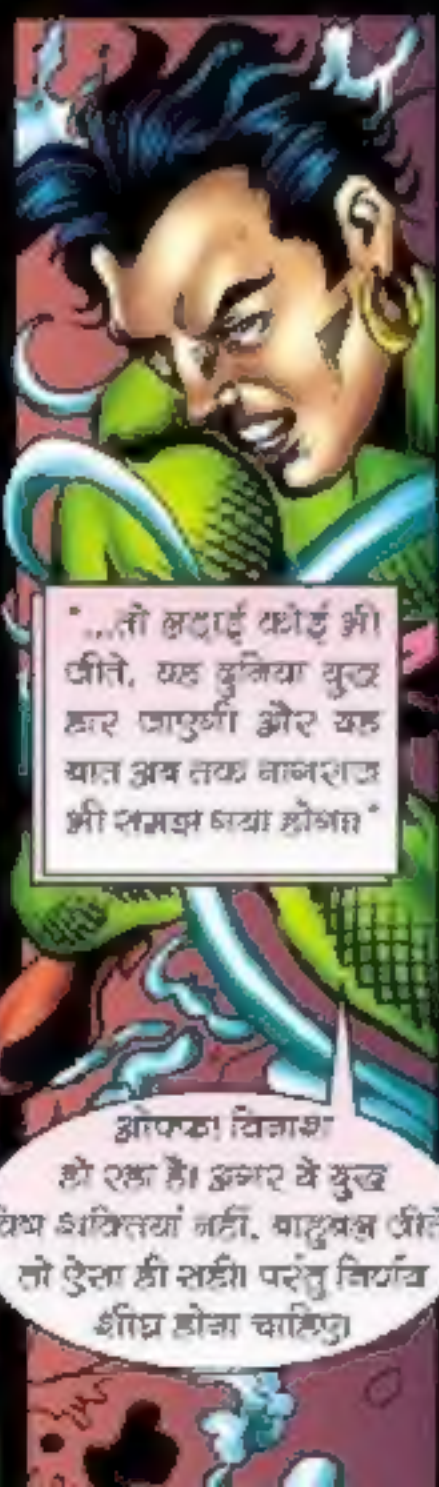


और अपना विचित्र अस्तर दिखा रही थी।



ये क्या हो रहा है?

इच्छाधारी शक्ति के दुष्प्रभाव साइड इफेक्ट्स। इसी कारण हम इच्छाधारी शक्ति धारक दुनिया से दूर रहते हैं। अगर ये खराब जगह ही किसी निर्णय पर नहीं पहुंची...



"...तो खराब कोई भी चीते, यह दुनिया कुछ हदर जा चुकी और यह बात अब तक नागरिक भी समझ गया होगा"

ओफ़! विनाश हो रहा है। अगर ये कुछ विषय शक्तियां नहीं, मादुबल जीते, तो ऐसा ही सही। परंतु निर्णय शीघ्र होना चाहिए।



परंतु मादुबल से जीतना इतना आसान नहीं था।

हारता जरूर आसान था।



किंग, नागरिक पर हावी हो गया है उसको धार करने का मौका ही नहीं मिल रहा है।

कैसे मिलेगा? इच्छाधारी शक्ति जब किसी की मर्जी से विपरीत उसका आकार बढ़ती है तो अमानक पीड़ा होती है, भारती।

"बाबासाहब इस वक़्त किसकी पीछा सह रहा है इसका अंदाज़ा लगाना भी असंभव है। यक़ीन, मैं उसकी मदद सकती।"

अब तेरे साथ-साथ
पूरे जासूसीय का भी बंटवारा
बनाने का समय आ गया है तेरे
विश्ववन्द के साथ किन्तु कल्लेन
का रास्ता साफ़ हो जाएगा।
बिल्कुल साफ़।

साफ़।

साफ़ का अर्थ अंधगी
दूर करना होता है और यहाँ की
अंधगी तुम हो, किन्तु।

आऽऽऽ! तुममें
पुकापुका इतनी ताकत
कैसे आ गई?

वह बुद्ध में बॉक्सर की
तरह झुड़ रहा था और बॉक्सिंग में
वही जीतता है जिसमें चोट लगने
की क्षमता उधारा होती है।

मुझ पर बेहिसाब
घार करके तुने अपनी इच्छाधारी
शक्ति को खुले हाथों से खर्चा है और
अब तेरी शक्ति मेरे इच्छाधारी
घार का मुकामला नहीं
कर सकती।

बाबासाहब, उसे
लिफ्टरकी धार में
धकेलो।

ओपक! बाबासाहब
की इच्छाधारी शक्ति थोड़ी
सी कम पड़ रही है।

और उसे वह अतिरिक्त
शक्ति मेरा राजवंद देना जिसमें
वीनोम हथियारों की इच्छाधारी
शक्ति समाई हुई है।

अब मैं भी
चकता हूँ क्योंकि जहाँ
पर किन्तु है अब वहीं
मेरा घर है।

तू कौन है, भाई?
और किसकी तरफ़ है?
हमारी या किन्तु की?

शायद...
चला गया।

नामहीप के नाम
तो घर बहुत सब सामान्य हो
गया है। पर क्या वीनोम के साथ-साथ
तुम्हारी उड़न शक्ति भी समाप्त
हो गई, नामराज?

अभी तक तो नहीं।
पर ये असर कम तक रहेगा
ये डॉक्टर कहनाकरन भी
नहीं बता पा रहे हैं।

नामवंत को क्या
हुआ? वह दुकादुका नामश्र
कैसे हो गया?

पता नहीं। शायद
इसमें आज्ञा करने वाली
शक्ति ही उसे ले गई।

कस्टमर
आ रहा है। मैनेजर
से मिलवो।

My name
is Shah!

What Shah?
बाबूशाह?

नामराज
शाह!

नामराज!
यही वाला?

यही वाला!

ह्रीह्रीह्री
Good humour!
हमारा जमेगा
शाह!

हम पापानी
कंपनी 'यामाहामा मशींस'
का बाइज प्रेसीडेंट हैं। सुकोहिता
हमने आपका सिक्योरिटी के बारे में
अच्छा-अच्छा बात सुना है। हमको
अपना बसुड बाइड ऑफिशियल के
लिए आपका सिक्योरिटी
चाहिए।

आप यहां का
मैनेजर हैं?

Yes Mr.
Sukohita

आपका नाम?

एक रहस्य तो हम आपको बताना ही भूल गए। फूडा सही समय पर वाद आ गया।

तो आइए।

म... मैं कहाँ हूँ?
अरे, कोई जगह पर? कोई
तो आओ। मुझे छुड़ाओ। ये कमबख्त
मेरे क्लोन वाले भी मेरे शरीर से
निकल नहीं पा रहे हैं।

हेलो! हेलो!
SSSS!

बोलो, मिस्टर
विंका

तुमने एक्कबम सही
जंवर मिलाया है।

तुम तो... तो वह तुम
थे जो अनुस्यू रूप में हमारे बुद्धमन
की मदद कर रहा था। पर... तुम
विंका कैसे बच गए?

विंका ने जीने
नहीं दिया। वीजोम की पुंटीडोट
ने मरने नहीं दिया तो मैंने सोचा कि
चलो आधा जीवन तो जहर की
स्टडी में बिता दिया...

...अब सोच रहा
हूँ बिना जहर वालों पर
थोड़ी शोध करना।

नहीं SSSSS!